हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 274 बेमेतरा, रविवार 31 मई 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

पत्रकार लोकतंत्र के सच्चे सेनानी, समाज को दिशा देने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण : सीएम साय

रायपुर। पत्रकार लोकतंत्र के सच्चे सेनानी हैं, जो कठिन परिस्थितियों में भी निरंतर परिश्रम करते हुए सूचनाओं को जन-जन तक पहुंचाते हैं और समाज को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मीडिया की सकारात्मक आलोचना केवल व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि प्रशासन और सरकार को भी आत्ममंथन और बेहतर कार्य की दिशा प्रदान करती है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर के वीआईपी रोड स्थित राम मंदिर परिसर के सुंदर सदन में आयोजित पत्रकारिता गौरव मार्तंड उत्सव को संबोधित करते हुए यह बात कही।

यह आयोजन हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि माता कौशल्या की धरती और भगवान श्रीराम के ननिहाल छत्तीसगढ़ में पत्रकारिता की गौरवशाली परंपरा पर आधारित ऐसा अदभुत आयोजन निश्चित रूप से अभिनंदनीय है। उन्होंने आयोजन के लिए रायपुर प्रेस क्लब को बधाई देते हुए कहा कि रायपुर प्रेस क्लब देश के पुराने और प्रतिष्ठित प्रेस क्लबों में से एक है, जिसका इतिहास समृद्ध और प्रेरणादायी रहा है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता और पत्रकारों के सम्मान में आयोजित ऐसे कार्यक्रम प्रेस क्लब की प्रतिबद्धता और संवेदनशीलता का सशक्त प्रमाण हैं।

मुख्यमंत्री साय ने रायपुर की पत्रकारिता परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि इस शहर ने पत्रकारिता जगत को अनेक शिखर पुरुष दिए हैं। उन्होंने मधुकर खेर, मायाराम सुरजन, ललित सुरजन, रमेश नैय्यर और बबन प्रसाद मिश्र सहित अनेक प्रतिष्ठित संपादकों और पत्रकारों का स्मरण करते हुए कहा कि इन विभूतियों ने पत्रकारिता की सशक्त और वैचारिक परंपरा को समृद्ध किया है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि मीडिया लोकतंत्र की आधारशिला है और देश के स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन तक पत्रकारिता ने हमेशा परिवर्तनकारी भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि 30 मई 1826 को कोलकाता से जुगल किशोर शुक्ल द्वारा प्रकाशित देश के प्रथम हिंदी समाचार पत्र उदंत मार्तंड ने भारतीय पत्रकारिता की मजबूत नींव रखी। हिंदी पत्रकारिता के दो सौ वर्षों की यह गौरवशाली यात्रा देशवासियों के लिए गर्व का विषय है। मुख्यमंत्री ने भारतीय सनातन परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि देवर्षि नारद को आदि पत्रकार माना जाता है और इसी कारण पत्रकार बंधु नारद जयंती को सम्मानपूर्वक मनाते हैं। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत रोचक और प्रेरक तथ्य है कि उदंत मार्तंड का प्रकाशन भी नारद जयंती के दिन आरंभ हुआ, जो इस बात का प्रतीक है कि भारतीय पत्रकारिता की जड़ें हमारी सांस्कृतिक चेतना और सनातन मूल्यों से गहराई से जुड़ी रही हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय पत्रकारिता ने राष्ट्रवादी चेतना को स्वर देने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि महात्मा गांधी, लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक, माधवराव सप्रे और सुभाषचंद्र बोस सहित अनेक स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने पत्रकारिता को सामाजिक जागरण और राष्ट्रीय चेतना के माध्यम के रूप में उपयोग किया। उन्होंने कहा कि जब भी भारतीय पत्रकारिता का गौरवशाली इतिहास लिखा जाएगा, तब छत्तीसगढ़ का नाम स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज होगा। उन्होंने मां भारती के सपूत माधवराव सप्रे का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने छत्तीसगढ़ से छत्तीसगढ़ मित्र का संपादन कर स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान लोगों को जागृत और संगठित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा - हर जरूरतमंद परिवार को सम्मानजनक पक्का आवास उपलब्ध कराना हमारी सरकार की प्राथमिकता

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण को मिली नई गति : जिलों को 2677 करोड़ रुपए से अधिक की राशि जारी

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के प्रभावी क्रियान्वयन को नई गति मिली है। राज्य शासन द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत आवास निर्माण कार्यों में तेजी लाने के उद्देश्य से राज्य के सभी जिलों को 2677.15 करोड़ रुपए की केंद्रीय एवं राज्यांश राशि जारी की गई है।

यह राशि एसएनए स्पर्श मॉड्यूल के माध्यम से जिलों को आवंटित की गई है, ताकि पात्र हितग्राहियों के आवास निर्माण कार्य समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पूरे किए जा सकें। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हर गरीब को पक्का घर का संकल्प छत्तीसगढ़ में तेजी से साकार हो रहा है। हमारी सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि प्रदेश का कोई भी पात्र परिवार पक्के आवास जैसी बुनियादी सुविधा से वंचित न रहे। पक्का घर केवल चार दीवारें नहीं, बल्कि एक परिवार के सम्मान, सुरक्षा, स्थायित्व और बेहतर भविष्य की मजबूत नींव है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत आवास निर्माण का कार्य तेजी से संचालित किया जा रहा है। राज्य में प्रतिदिन 1600 से अधिक पक्के आवासों का निर्माण किया जा रहा है तथा विगत ढाई वर्षों में 10.60 लाख से अधिक आवास पूर्ण कराए जा चुके हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 में ही 6 लाख से अधिक आवासों का निर्माण कर छत्तीसगढ़ देश के अग्रणी राज्यों में शामिल रहा है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि लाखों गरीब परिवारों के सपनों, आत्मसम्मान और सुरक्षित जीवन की कहानी है।

मुख्यमंत्री साय ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जारी राशि का उपयोग प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के दिशा-निर्देशों के अनुरूप करते हुए पात्र हितग्राहियों के आवास शीघ्र पूर्ण कराए जाएं, ताकि प्रत्येक जरूरतमंद परिवार को समय पर सुरक्षित एवं सम्मानजनक पक्का आवास उपलब्ध कराया जा सके। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि योजना के क्रियान्वयन में महिला स्व-सहायता समूहों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। प्रदेश में हजारों स्व सहायता समूह सामग्री आपूर्ति से जुड़कर आजीविका अर्जित कर रहे हैं, इनमें से 10 हजार से अधिक महिलाएं 'लखपति दीदी' बनीं हैं। उन्होंने कहा कि यह योजना केवल आवास निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि महिला सशक्तीकरण, आजीविका संवर्धन और सामाजिक परिवर्तन का भी माध्यम बन रही है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार आत्मसमर्पित नक्सलियों और नक्सल प्रभावित परिवारों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए भी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है।

सीमावर्ती जिलों में जनसांख्यिकी बदलाव की सख्त निगरानी करें जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक : शाह

नयी दिल्ली। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारत-पाकिस्तान सीमा से लगे गुजरात के भुज में सीमावर्ती एवं तटीय जिलों से जुड़े सुरक्षा संबंधी विषयों पर एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की जिसमें राज्य सरकार, विशेष रूप से जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधीक्षक की सक्रिय एवं प्रभावी भमिका पर बल दिया गया। शाह ने बैठक में कहा कि सीमा पर बाड़ लगाने, समुद्री सीमा सुरक्षा और राज्य सरकार की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति से गुजरात के सुरक्षा परिदृश्य में बड़ा बदलाव आया है और राज्य में घुसपैठ तथा सीमा पर तस्करी पूरी तरह बंद हो गई है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सीमा के 15 किलोमीटर क्षेत्र में हर अनधिकृत अतिक्रमण के प्रति जीरो टॉलरेंस अप्रोच रखकर उसे समाप्त किया जाए। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में कट्टरपंथ के केंद्रों पर पैनी नजर रखने की आवश्यकता पर भी बल दिया। गृह मंत्री ने कहा कि सीमावर्ती जिलों में जिला मजिस्ट्रेट को जनसांख्यिकी परिवर्तन की सख्त निगरानी एवं नियमित रिपोर्टिंग करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में

औद्योगिक इकाइयों के आने के कारण हो रहा रिवर्स माइग्रेशन स्वागतयोग्य है। उन्होंने कहा कि पहले से बसे घुसपैठियों को वापस भेजने के कार्य में पुलिस स्टेशन से लेकर पटवारी तक, सब एकजुट होकर आगे आएं। उन्होंने कहा कि हर सीमावर्ती जिले की चुनौतियों और जरूरतों के आधार पर स्थानीय प्रशासन मानक प्रक्रिया तैयार करे, जिसमें पहले से बसे घुसपैठियों, ड्रोन और नार्को की पहचान करना सुनिश्चित हो। शाह ने कहा कि हर जिले में सुरक्षा समन्वय समूह बनाए जाएं, जिसमें बीएसएफ, तटरक्षक बल, आयकर विभाग, प्रवर्तन निदेशालय और प्रमुख बैंकों के मैनेजर को शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि आयकर, धन शोधन और कस्टम कानूनों के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी जिला मजिस्ट्रेट, पुलिस अधीक्षक और पुलिस महानिरीक्षक बॉर्डर रेंज की होनी चाहिए। उन्होंने सीमावर्ती जिलों में हवाला लेनदेन, म्यूल खातों, शेल कंपनियों, संदिग्ध वाहनों और जीएसटी संग्रहण पर कड़ी निगरानी रखने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आर्थिक अपराध से निपटने वाली एजेंसियों को सीमा क्षेत्रों के बारे में कड़ाई से सूचित किया जाए और आयकर विभाग, रिजर्व बैंक के साथ मिलकर सर्वेक्षण की बड़ी मुहिम चलाए। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा से निकटता को ध्यान में रखते हुए तटीय सुरक्षा और भारतीय तटरक्षक बल के साथ प्रभावी समन्वय पर जोर देने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि वाइब्रेंट विलेज के साथ-साथ केन्द्र और राज्य सरकार की हर योजना का सीमांत गांवों में 100 प्रतिशत पहुंच सुनिश्चित होनी चाहिए।

भूपेश ने भाजपा नेताओं को मौखिक रूप से वंदे मातरम् गीत सुनाने की दी चुनौती

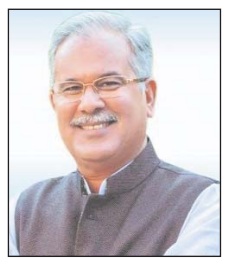

रायपुर। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने वंदे मातरम् को लेकर चल रही राजनीतिक बहस के बीच भाजपा पर निशाना साधते हुए उसके नेताओं और कार्यकर्ताओं को मौखिक रूप से राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् सुनाने की चुनौती दी है। बघेल ने संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस की परंपरा में वंदे मातरम् का विशेष स्थान रहा है और पार्टी के कार्यक्रमों की शुरुआत इसी गीत से होती है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के जिला स्तरीय आयोजनों में भी नियमित रूप से वंदे मातरम् गाया जाता है, जबकि भाजपा के लोग इस विषय पर केवल राजनीति कर रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने अपने हालिया दिल्ली दौरे की जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात की। बैठक में पंजाब में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों, संगठनात्मक मजबूती और चुनावी रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गयी। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा द्वारा शुरू किए जा रहे महाजनसंपर्क अभियान पर भी बघेल ने टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि भाजपा को जनता के बीच अवश्य जाना चाहिए, क्योंकि आम लोग सरकार से कई मुददों पर जवाब चाहते हैं।

सेवा, साहस व बलिदान : भारतीय मेजर अभिलाषा बराक समेत चार यूएन शांतिरक्षकों को सम्मानित करेगा संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र ने 'अंतरराष्ट्रीय संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षक दिवस' के अवसर पर सेवा, साहस और बलिदान के लिए भारत की मेजर अभिलाषा बराक सहित चार यूएन शांतिरक्षकों को सम्मानित करने की घोषणा की है। यह पुरस्कार आगामी पांच जून को न्यूयॉर्क में आयोजित एक विशेष समारोह में प्रदान किये जायेंगे। भारतीय सेना की मेजर अभिलाषा बराक को उनके असाधारण कार्य और अनुकरणीय नेतृत्व के लिए 'यूएन मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर' पुरस्कार से नवाजा जायेगा। उन्होंने शांति मिशन के दौरान महिलाओं के अधिकारों और उनकी सुरक्षा की पुरजोर वकालत करते हुए जमीनी स्तर पर अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। वैश्विक मंच पर उनके इस अद्वितीय योगदान को सराहते हुए ही उन्हें इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए चुना गया है। वर्तमान में मेजर अभिलाषा बराक दक्षिणी लेबनान में तैनात संयुक्त राष्ट्र मिशन की भारतीय बटालियन में सामुदायिक संपर्क टीम की कमांडर और लैंगिक समन्वय अधिकारी के रूप में अपनी सेवाएं दे रही हैं।

उन्होंने वहां व्यापक जनसंपर्क अभियानों का सफल नेतृत्व करते हुए पांच हजार से अधिक महिलाओं और लड़कियों तक अपनी पहुंच बनायी है। इसके साथ ही, उन्होंने व्यावसायिक प्रशिक्षण, शिक्षा और स्वास्थ्य कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं के सशक्तीकरण और संघर्ष के बाद उनके पुनर्वास को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग दिया। मेजर बराक ने विपरीत परिस्थितियों में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई नवाचार-आधारित उपाय भी शुरू किये हैं।

इस वर्ष मेजर बराक के अतिरिक्त तीन अन्य अंतरराष्ट्रीय शांतिरक्षकों को भी उनकी अनुकरणीय सेवाओं के लिए सम्मानित किया जा रहा है। इनमें यूक्रेन के सर्गेई प्रिखोदको को मरणोपरांत प्रतिष्ठित 'कैप्टन म्बाये डियान पदक' से सम्मानित किया जाएगा। वहीं, उरुग्वे के सार्जेंट मातियास रेयेस को भी 'कैप्टन म्बाये डियान पदक' प्रदान किया जायेगा, जबकि जर्मनी की इंस्पेक्टर स्टेफनी कोनिग्स को सर्वश्रेष्ठ महिला पुलिस अधिकारी के पुरस्कार से विभूषित किया जायेगा।

मोबाइल पर गूंजा इमरजेंसी सायरन, लोगों में मची हलचल

आंधी, बारिश और बिजली गिरने का खतरा, लाखों मोबाइल पर पहुंचा इमरजेंसी संदेश

मूक पत्रिका/जांजगीर-चांपा। शनिवार शाम अचानक हजारों लोगों के मोबाइल फोन पर तेज सायरन के साथ 'श्व×ह्लह्द्गद्वद्गद्य4 स्द्ग1द्गह्द्ग द्यद्गह्म्ह्ल' संदेश आने से लोगों में कुछ देर के लिए दहशत और भ्रम की स्थिति बन गई। मोबाइल स्क्रीन पर जारी चेतावनी में जांजगीर-चांपा, महासमुंद, रायगढ़, शक्ति, सारंगढ़ और बिलाईगढ़ जिलों में अगले तीन घंटों के भीतर बिजली गिरने, तेज आंधी, तेज हवाएं और बारिश होने की प्रबल संभावना जताई गई। अचानक बजने वाले इस अलर्ट सायरन ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। कई लोगों ने इसे पहले कभी नहीं देखा था, जिसके कारण उन्होंने एक-दूसरे से जानकारी लेना शुरू कर दिया। सोशल मीडिया पर भी अलर्ट के स्क्रीनशॉट तेजी से वायरल होने लगे।

मौसम संबंधी यह चेतावनी राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एवं मौसम विभाग की आपदा पूर्व चेतावनी प्रणाली के माध्यम से भेजी गई है। इसका उद्देश्य संभावित प्राकृतिक आपदा से पहले लोगों को सतर्क करना और जान-माल के नुकसान को कम करना है।

प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान खुले मैदान, पेड़ों और बिजली के खंभों से दूर रहें तथा अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलें। विशेष रूप से किसानों और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

नेता प्रतिपक्ष डॉ महंत के पत्र को राष्ट्रपति ने लिया संज्ञान, महंत ने जताया आभार

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने राज्य में अनुसूचित जनजाति और अन्य परंपरागत वन निवासी परिवारों के अधिकारों के हनन पर गहरी चिंता व्यक्त की है। डॉ. महंत ने देश की राष्ट्रपति को एक अर्धशासकीय पत्र (पत्र क्र. 341/ने.प्र./26) भेजकर छत्तीसगढ़ में वन अधिकार अधिनियम के प्रावधानों को सख्ती से लागू कराने के लिए हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है। राष्ट्रपति को सौंपे गए पत्र में डॉ. चरणदास महंत ने उल्लेख किया है कि, अनुसूचित जनजाति और अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 पूरे भारत में दिसंबर 2007 से प्रभावी है। इस कानून की धारा 3 (1)(घ) के स्पष्ट प्रावधानों के अनुसार, वन भूमि पर स्थित जलक्षेत्रों में मछली पालन और जलाशयों के अन्य उत्पादों के उपयोग का हकदारी या सामुदायिक अधिकार पत्र स्थानीय पात्र व्यक्तियों को दिया जाना चाहिए। अत्यंत खेद का विषय है कि छत्तीसगढ़ राज्य में बीते 18 वर्षों में भी इस महत्वपूर्ण प्रावधान का क्रियान्वयन नहीं किया जा सका है।

ठेका प्रथा से मजदूर बनने को मजबूर हुए मूल निवासी डॉ. महंत ने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य की वन भूमि पर लगभग 1,58,000 हेक्टेयर का विशाल जलक्षेत्र स्थित है। इन जलक्षेत्रों में मछली पालन और मत्स्याखेट के जरिए 50,000 से अधिक अनुसूचित जनजाति और अन्य वन निवासी परिवार अपनी जीविका चलाते हैं। लेकिन छत्तीसगढ़ शासन की वर्तमान मछली नीति वन अधिकार अधिनियम के प्रावधानों के पूरी तरह विपरीत है। कानून का उल्लंघन करते हुए राज्य के इन जलक्षेत्रों को पट्टे पर और 1000 हेक्टेयर से बड़े जलाशयों को निविदाएं (टेंडर) आमंत्रित करके ठेकेदारों को सौंप दिया जाता है। इसका दुष्परिणाम यह हो रहा है कि जिन बड़े जलाशयों पर स्थानीय आदिवासियों और वन निवासियों का सामुदायिक अधिकार होना चाहिए था, वहां वे बाहरी ठेकेदारों के अधीन महज मजदूर के रूप में काम करने को मजबूर हैं। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने राष्ट्रपति से सादर अनुरोध किया है कि, छत्तीसगढ़ के आदिवासियों और पारंपरिक वन निवासियों के आर्थिक एवं कानूनी हितों की रक्षा के लिए वन अधिकार अधिनियम की धारा 3(1) (घ) को तत्काल प्रभाव से क्रियान्वित कराया जाए।

'खेत बचाओ अभियान' एक जून से 30 जून तक देशभर में चलेगा : शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली। उर्वरकों के संतुलित इस्तेमाल, मिट्टी की जांच, जैविक खाद को बढ़ावा देने के मकसद से केंद्रीय कृषि मंत्रालय का 'खेत बचाओ अभियान' एक जून से 30 जून तक देशभर में चलेगा।

अभियान का लक्ष्य है कि खेत बचे, लागत संभले, मिट्टी सुधरे, किसान जागरूक बने और गांव स्तर पर कृषि प्रबंधन की नई संस्कृति विकसित हो। एक सरकारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गयी। इसमें बताया गया है कि केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खेत बचाओ अभियान को खेत, किसान और गांव को जोड़ने वाला व्यापक राष्ट्रीय अभियान बनाने का संदेश दिया है। इस अभियान की तैयारी के संबंध में चौहन ने यहां एक उच्चस्तरीय बैठक लेकर अभियान का फोकस संतुलित एवं विवेकपूर्ण उर्वरक उपयोग, मौसम की चुनौती के मद्देनजर समय पर किसान सलाह, पंचायत स्तर पर सक्रिय भागीदारी और योजनाओं के लाभ को सीधे गांव तक पहुंचाने पर रखने की बात कही। चौहान ने कहा कि जून महीने भर चलने वाले 'खेत बचाओ अभियान' को प्रभावी और परिणामकारी बनाने के लिए इसका फ ोकस खेत बचाने, लागत संतुलित करने और किसान को सही समय पर सही मार्गदर्शन देने पर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह

अभियान ऊपर से नीचे तक नहीं, बल्कि पंचायत से लेकर राज्य और केंद्र तक साझी भागीदारी के मॉडल पर चलेगा। उन्होंने सबसे खास बल इस बात पर दिया कि रासायनिक उर्वरकों के असंतुलित उपयोग को कम करना अभियान का प्रमुख उद्देश्य होगा। किसानों को मिट्टी की जांच, संतुलित और सही मात्रा में खाद तथा अन्य कृषि आगतों के उपयोग के बारे में जागरूक करने, हरी खाद, जैविक और जैव-उत्पादों के उपयोग को बढ़ाने तथा एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन के बारे में बताने का लक्ष्य रखा गया है। कृषि मंत्री ने कहा कि आने वाले समय को लेकर जो मौसम संबंधी चिंता जताई जा रही है, उसके मद्देनजर किसानों को व्यावहारिक सलाह दी जाएगी कि वे क्या करें, क्या न करें, कौन-सी फसल लें, कहाँ फसल विविधीकरण अपनाएं और कम पानी या जोखिम की स्थिति में कौन-से विकल्प बेहतर रहेंगे। अभियान का उद्देश्य केवल संदेश देना नहीं, बल्कि खेत-स्तर पर किसान को स्थिति-विशेष के अनुरूप सलाह देना होगा। बैठक में यह भी कहा कि पंचायत स्तर पर इस अभियान को मजबूत आधार दिया जाएगा। पंचायत स्तर पर मशीनों का वितरण, योजनाओं का लाभ और जहां संभव हो वहां सरकारी कार्यक्रमों का प्रत्यक्ष लाभ भी इसी अभियान के अंतर्गत जोड़ा जायेगा। चौहान ने यह भी कहा कि अभियान को केवल विभागीय दायरे में सीमित नहीं रखा जाएगा। राज्यों के मुख्यमंत्रियों से आग्रह किया जाएगा और मंत्रियों, सांसदों, विधायकों तथा अन्य जनप्रतिनिधियों से भी भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास होगा।

केंद्रीय लोक शिकायत निवारण प्रणाली में जुड़ी बहुभाषी चैटबॉट सुविधा, डॉ जितेंद्र सिंह ने किया उद्घाटन

नयी दिल्ली। सरकार ने जन शिकायत निवारण के अपने केंद्रीय आनलाइन प्लेटफ र्म पर एक ऐसी सुविधा शुरू की जिससे देश के किसी भी स्थान से नागरिक अपनी भाषा में बोल या लिख कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं और एआई आधारित यह प्रणाली आप की शिकायत की पहचाना कर संबंधित मंत्रालय या विभाग को तक आप की बात पहुंचा देगी। कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन विभाग के राज्य मंत्री डॉ जितेन्द्र सिंह ने केंद्रीय लोक शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली (सीपीग्राम्स) पर इस नयी कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर आधारित इस वायस चैटबॉट सुविधा, 'समाधान दीदी-सीपीग्राम्स चैटबॉट' का उदघाटन करते हुए कहा कि यह सुविधा अभी सांविधिक रूप से स्वीकृत 22 भाषाओं में शुरू की गयी है।

ठेकेदारों में हड़कंप : निर्माणकार्य में लापरवाही पर ठेकेदार को लगाई फटकार, कलेक्टर ने सरिया के विभिन्न निर्माण कार्यों और प्रस्तावित स्थलों का किया निरीक्षण..

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिले के नगर पंचायत सरिया में शनिवार को सुबह 8 बजे कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने विभिन्न निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने सबसे पहले सरिया में बन रहे 100 बिस्तर अस्पताल का निरीक्षण करते हुए ठेकेदार को स्पष्ट शब्दों में कहा कि गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की कोई समझौता नहीं की जाएगी। मौके पर ठेकेदार को चेतावनी देते हुए कहा कि नियमानुसार काम नहीं होने से ठेकेदार को फटकार लगाई और लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाने की बात कही। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। काम में लापरवाही या मानकों की अनदेखी करने पर संबंधित अधिकारी एवं ठेकेदार व एजेंसियां पर सख्त कार्यवाही की चेतावनी दी है। सुबह से ही कलेक्टर सरिया नगर पंचायत में विकास निर्माण कार्यों के निरीक्षण के दौरान उन्होंने पंजीयन कार्यालय, विश्रामगृह निर्माण, खेल परिसर निर्माण , वार्ड क्रमांक 7 में मुक्तिधाम निर्माण, दैनिक बाजार में शेड निर्माण, पीएमश्री स्कूल निर्माण, मंगल भवन निर्माण, बस स्टैंड निर्माण , साप्ताहिक बाजार निर्माण, सामुदायिक भवन निर्माण तथा अंत में अमृत मिशन जलप्रदाय योजना को गंभीरता से लेते हुए यहां भी ठेकेदार को जमकर फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आपके कार्य संतोषप्रद नहीं है। आने वाले दिनों में कार्य की शिकायत नहीं आनी चाहिए। कलेक्टर के निरीक्षण से अन्य ठेकेदारों में भी हड़कंप मच गया है। समय सीमा एवं गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए कार्य होने की बात कही जा रही है। कलेक्टर द्वारा सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के इन विभिन्न निर्माण कार्यों के औचक निरीक्षण के दौरान मुख्य रूप से निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, निर्धारित समय सीमा और तकनीकी मानकों का जायजा लिया। उन्होंने गुणवत्ता की जांच, निर्माण सामग्री जैसे सीमेंट ईंट, सरिया की गुणवत्ता और निर्धारित मानकों को सुनिश्चित करने के साथ साथ कार्य में देरी न हो इसके लिए ठेकेदारों और निर्माण एजेंसियों को समय सीमा के भीतर काम पूरा करने का निर्देश दिया। कलेक्टर ने निर्माणाधीन भवन ,अस्पताल, मुक्तिधाम जैसे सार्वजनिक उपयोग के कार्यों का स्थल पर जाकर निरीक्षण किया। कलेक्टर की इस औचक निरीक्षण से निर्माण कार्य में लगे अधिकारी एवं ठेकेदारों में हड़कंप मच गया है। सरिया में निरीक्षण के बाद कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू सांकरा में विकास निर्माण कार्यों के निरीक्षण के लिए पहुंचे। यहां उद्वहन सिंचाई योजना, गौरव पथ एवं सीसी रोड निर्माण का निरीक्षण किया। रायगढ़ विधानसभा में शामिल सरिया क्षेत्र वित्त मंत्री और विधायक रायगढ़ ओपी चौधरी का क्षेत्र है। फिलहाल कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने निरीक्षण के दौरान ठेकेदारों को स्पष्ट समझाइए दी है ताकि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की शिकायत ना मिले। इसके लिए आने वाले दिनों में भी मॉनिटरिंग करने की बात कही है। कलेक्टर के निरीक्षण के दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष कमलेश अग्रवाल, वरिष्ठ पार्षद मोतीलाल स्वर्णकार एवं जिला के अधिकारी कर्मचारी गण उपस्थित थे।

आईपीएल सट्टे पर पुलिस का शिकंजा, दो युवक गिरफ्तार,जेल दाखिल

चांपा में आईपीएल सट्टे पर पुलिस ने एक युवक को पकड़ा

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

आईपीएल क्रिकेट मैच में हार-जीत पर रुपये का दांव लगाकर सट्टा संचालित करने वाले दो युवकों को जांजगीर-चांपा पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम की धारा 7 के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय (आईपीएस) के निर्देशन में जिले में जुआ एवं सट्टा गतिविधियों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में साइबर टीम, थाना जांजगीर एवं थाना चांपा पुलिस को सूचना मिली कि राजस्थान रॉयल्स और गुजरात के बीच खेले जा रहे आईपीएल मैच पर अवैध सट्टा लगाया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी और दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में नरेश धीवर (25 वर्ष) निवासी घूरकोट, जांजगीर तथा रितिक देवांगन (22 वर्ष) निवासी देवांगन मोहल्ला, चांपा शामिल हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय में पेश किया, जहां से न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे जुआ और सट्टा जैसी अवैध गतिविधियों से दूर रहें तथा ऐसी गतिविधियों की जानकारी तत्काल पुलिस को दें। जिले में अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

करपावड पुलिस के द्वारा चाकू दिखाकर डराने धमकाने वाले आरोपी को किया गिरफतार

बस्तर/मूक पत्रिका

करपावड पुलिस के द्वारा चाकू दिखाकर डराने धमकाने वाले आरोपी को किया गिरफतार एक्ट के तहत किया गया गिरफ्तार नाम आरोपी - संतोष कुमार मंडल पिता कमल किशोर मंडल उम्र 28 वर्ष निवासी ग्राम चिउरगाव थाना करपावड जिला बस्तर अपराध क्रं- 38/2026 धारा- 25, 27 आर्म्स एक्ट । ज्ञात हो कि थाना करपावड में दिनांक 29.05.26 को सूचना प्राप्त हुई कि आरोपी संतोष कुमार मंडल पिता कमल किशोर मंडल उम्र 28 वर्ष निवासी चिउरगाव थाना करपावड अपने ही गांव चिउरगाव में हाथ में धारदार चाकू लेकर आमजन को डरा धमका रहा है कि सूचना पर पुलिस अधीक्षक महोदय बस्तर शलभ कुमार सिन्हा के निर्देशन पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय माहेश्वर नाग, अनुविभागीय अधिकारी भानपुरी प्रवीण भारती के मार्गदर्शन में तत्काल थाना करपावड से आरोपी को पकड़ने हेतु थाना प्रभारी निरीक्षक शिवानंद सिंह के द्वारा टीम गठित कर ग्राम चिउरगाव भेजा गया जहां आरोपी संतोष मंडल के कब्जे से धारदार चाकू जप्त कर दिनांक 29.05.26 को गिरफ्तार किया गया। प्रकरण में आरोपी संतोष कुमार मंडल के खिलाफथाना करपावंड में अपराध क्रमांक 38/26 धारा 25,27 आर्म्स एक्ट पंजीबद्ध कर गिरफ्तार आरोपी को आज दिनांक 30.05.26 को जेल दाखिल किया गया।महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अधिकारी/कर्मचारी निरीक्षक शिवानंद सिंह उप निरीक्षक - हरिश्चंद्र निषाद प्र. आर. - रामनाथ भारती, घासीराम चंदेल आर. - , निरंजन महानदी, जयराम बघेल।

हीराकुंड एक्सप्रेस में हो रही थी गांजा की तस्करी

बाथरूम में लावारिश मिला 10 किलो मादक पदार्थ

रायगढ़/मूक पत्रिका

हीराकुंड एक्सप्रेस से गांजा की तस्करी हो रही थी, इसकी जानकारी मिलते ही आरोपी ने गांजा को छोड़ कर फरार हो गया। जिससे रायगढ़ स्टेशन में ट्रेन पहुंचते ही जीआरपी ने कुल 10 किलो मादक पदार्थ को जब्त कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि सडक़ मार्ग में लगातार नाकेबंदी और जांच तेज होने के कारण अब तस्कर गांजा सप्लाई के लिए रेल मार्ग को सुरिक्षत बना लिया है। जिसके चलते विगत कुछ दिनों से लगातार ट्रेनों से गांजा की जब्ती की जा रही है। इस संबंध में जीआरपी टीआई ने बताया कि शुक्रवार शाम को टीटीई से सूचना मिली कि विशापटनम-हीराकुंड एक्सप्रेस के थर्ड ऐसी कोच के एम-1 के बाथरूम सफाई कर्मी पहुंचा तो वहां संदिग्ध हालत में एक बैग पड़ा था, जिसमें 10 पैकेट गांजा था, इस जिसकी सूचना मिलते ही जब ट्रेन शाम करीब 6.45 बजे रायगढ़ स्टेशन पहुंची तो जीआरपी और आरपीएफ की टीम मौके पहुंच कर गांजा को जब्त करते हुए आरोपी की तलाश के लिए बोगियों का जांच शुरू किया, लेकिन इस दौरान उससे संबंधित कोई भी व्यक्ति नहीं मिला। इससे गांजा को अपने कब्जे में लेकर अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले की विवेचना की जा रही है। वहीं बताया जा रहा है कि उक्त आरोपी की सरगर्मी से तलाश की जा रही है। क्योंकि किसी न किसी व्यक्ति द्वारा तो लाया ही जा रहा था। ऐसे में अब आरोपी के पकड़े जाने के बाद ही मामले का खुलासा हो सकेगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज बेमेतरा को देंगे 105 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की सौगात

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री आज एक दिवसीय प्रवास पर बेमेतरा पहुंचेंगे। इस दौरान वे जिले को 105.04 करोड़ रुपये (10,504.69 लाख रुपये) की लागत वाले 18 विकास कार्यों की सौगात देंगे। इनमें 78.01 करोड़ रुपये (7,801.33 लाख रुपये) की लागत से बनने वाले 13 कार्यों का भूमिपूजन तथा 27.03 करोड़ रुपये (2,703.36 लाख रुपये) की लागत से पूर्ण हुए 5 विकास कार्यों का लोकार्पण किया जाएगा। मुख्यमंत्री जिले में सड़क, भवन, स्वास्थ्य एवं ग्रामीण अधोसंरचना से जुड़े कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। भूमिपूजन किए जाने वाले प्रमुख कार्यों में बेरला-कोदवा-देवरबीजा-करमु मार्ग का 22 किलोमीटर लंबा दो लेन मजबूतीकरण कार्य, भेड़नी-सल्धा-सिंधोरी मार्ग, बहिंगा-तिवरैया-सिमगा पहुंच मार्ग तथा सोढ़-रेवे-देवरबीजा-अकोला-खाती-सौरी मार्ग निर्माण कार्य शामिल हैं। इसके अलावा मिशन वात्सल्य अंतर्गत बाल संप्रेषण गृह निर्माण, जिला सेनानी नगर सेना के प्रशासकीय भवन निर्माण तथा विभिन्न ग्रामों में सीसी रोड, नाली और अहाता निर्माण कार्यों का भी भूमिपूजन किया जाएगा। वहीं लोकार्पण कार्यक्रम के अंतर्गत मुख्यमंत्री हमर क्लिनिक, बोर खनन कार्य तथा कई महत्वपूर्ण सड़क निर्माण परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। इनमें भाटासोरही-कुम्हीगुड़ा-बचेड़ी से खपरी रोड निर्माण तथा गाढ़ामोर-सिंगारडीह से बोहारडीह सड़क निर्माण कार्य प्रमुख हैं।

दहेज मुक्त समाज की ओर ऐतिहासिक कदमः समाज के गौरव विधायक दीपेश साहू मुख्यमंत्री कन्या विवाह में लेंगे सात फेरे, सर्व समाज के लिए बनेगा आदर्श .....

बेमेतरा/मूक पत्रिका

सामाजिक युवा नेता सोनू साहू, बेमेतरा ने जानकारी देते हुए बताया कि समाज के लिए यह गौरवशाली क्षण है जब समाज के यशस्वी सपूत एवं बेमेतरा विधायक श्री दीपेश साहू जी मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजनांतर्गत आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में परिणय सूत्र में बंधेंगे। श्री साहू ने कहा कि हमारे समाज ने सदैव कर्म, सादगी और सामाजिक समरसता का मार्ग दिखाया है। विधायक श्री दीपेश साहू जी ने अपने इस निर्णय से न केवल समाज का, बल्कि समस्त जनप्रतिनिधियों का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है। यह पहल हर परिवार को स्पष्ट संदेश देती है कि विवाह एक पवित्र संस्कार है, आडंबर और दिखावा नहीं।

यह कदम दहेज जैसी सामाजिक कुरीति पर सीधा प्रहार है और बेटियों के सम्मान की नई इबारत लिखेगा। इससे सर्व समाज के युवक-युवतियों को प्रेरणा मिलेगी कि दांपत्य जीवन की शुरुआत कम खर्च, सादगी और पवित्रता से की जा सकती है। यह आयोजन उन सभी परिवारों के लिए आदर्श बनेगा जो विवाह में होने वाली फिजूलखर्ची के बोझ तले दबे हैं। सामाजिक युवा नेता सोनू साहू ने कहा कि विधायक जी का यह निर्णय मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना को जन-आंदोलन का रूप देगा। इससे समाज में यह विश्वास और मजबूत होगा कि जब जनप्रतिनिधि स्वयं आगे आकर उदाहरण प्रस्तुत करते हैं, तो सामाजिक परिवर्तन अवश्य आता है।समाज की यह पहल निश्चित ही सर्व समाज और सर्व परिवारों के लिए दांपत्य जीवन का नया मार्ग प्रशस्त करेगी। कार्यक्रम विवरणः उक्त सामूहिक विवाह कार्यक्रम दिनांक 31 मई 2026, रविवार को दोपहर 12:00 बजे, पुराना रेस्ट हाउस से बेसिक मैदान, बेमेतरा में संपन्न होगा।

शिक्षा महाकुंभ में शामिल होंगे विधायक चातुरी नन्द, चौहान समाज ने सौंपा आमंत्रण पत्र..

बरमकेला/मूक पत्रिका

चौहान समाज बरमकेला द्वारा 7 जून 2026 को अघरिया भवन बरमकेला में आयोजित होने वाले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं के सम्मान समारोह एवं करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। समाज के पदाधिकारियों ने सरायपाली विधायक चातुरी नन्द से सौजन्य मुलाकात कर उन्हें कार्यक्रम में शामिल होने के लिए औपचारिक आमंत्रण पत्र सौंपा। चौहान समाज का यह आयोजन शिक्षा, सम्मान और करियर मार्गदर्शन को समर्पित रहेगा। कार्यक्रम में मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान किया जाएगा, वहीं युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं, रोजगार और करियर से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी भी दी जाएगी। समाज का मानना है कि ऐसे आयोजन युवाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा देने के साथ उनके भविष्य को नई दिशा देने का काम करते हैं। आमंत्रण पत्र सौंपने के दौरान विषिकेशन चौहान (ब्लॉक अध्यक्ष), गोपाल बाघे (कार्यकारी जिलाध्यक्ष), संकीर्तन नन्द (ब्लॉक सचिव) और देवराज दीपक उपस्थित रहे। समाज के पदाधिकारियों ने विधायक चातुरी नन्द से कार्यक्रम में उपस्थित होकर विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाने का आग्रह किया, जिस पर विधायक ने कार्यक्रम में शामिल होने की सहमति जताई। चौहान समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि शिक्षा और जागरूकता के जरिए समाज को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। आयोजन को लेकर समाज के लोगों में उत्साह देखा जा रहा है और बड़ी संख्या में सामाजिक बंधुओं की उपस्थिति की उम्मीद है। 7 जून को अघरिया भवन बरमकेला में शिक्षा, सम्मान और मार्गदर्शन का संगम देखने को मिलेगा, जहां समाज के नौनिहालों के उज्ज्वल भविष्य को नई उड़ान देने की पहल की जाएगी।

बालेंगा साप्ताहिक मुर्गा बाजार में चल रहा था खुड़खुड़ी जुआ, पुलिस ने 48 हजार से अधिक की रकम की जब्ती

जगदलपुर/बस्तर/मूक पत्रिका

जिले के ग्राम बालेंगा स्थित साप्ताहिक मुर्गा बाजार में चल रहे खुड़खुड़ी जुए के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से जुआ खिलाने की सामग्री एवं नगद 48,150 रुपये बरामद किए गए हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, बालेंगा साप्ताहिक मुर्गा बाजार में कुछ व्यक्तियों द्वारा रुपये-पैसों का दांव लगाकर खुड़खुड़ी नामक जुआ खेलने की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इस सूचना पर पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेश्वर नाग तथा नगर पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार धोत्रे के निर्देशन में थाना बस्तर एवं साइबर क्राइम टीम की संयुक्त टीम गठित की गई। दिनांक 29 मई 2026 को पुलिस टीम ने बालेंगा साप्ताहिक बाजार पहुंचकर घेराबंदी की। पुलिस को देखकर कई जुआरी मौके से फरार हो गए, जबकि तीन व्यक्तियों को पकड़ लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान डमरू सेठिया (38 वर्ष) निवासी भोण्ड बड़ेपारा, महेन्द्र बघेल उर्फ बिल्लू (35 वर्ष) निवासी भाटीपारा बस्तर तथा खीरकुमार नाग (32 वर्ष) निवासी एर्राकोट नयापारा के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के संयुक्त कब्जे से खुड़खुड़ी जुआ खिलाने की सामग्री और 48,150 रुपये नगद जब्त किए हैं। तीनों आरोपियों के खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई है।

इस कार्रवाई में थाना बस्तर के निरीक्षक सुरेश कुमार जांगड़े, उप निरीक्षक प्रमोद ठाकुर, अरुण मरकाम, अरुण कुमार सिन्हा सहित थाना स्टाफ एवं साइबर क्राइम टीम के अधिकारियों-कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा। पुलिस ने कहा है कि जिले में अवैध जुआ, सट्टा एवं अन्य गैरकानूनी गतिविधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

01 जून को प्रातः 08:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक होगा मतदान, 04 जून को प्रातः 09:00 बजे से होगी मतगणना

नगर पंचायत बम्हनीडीह निर्वाचन 2026 हेतु सभी तैयारियाँ पूर्ण

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार नगर पंचायत बम्हनीडीह निर्वाचन 2026 के अंतर्गत दिनांक 01 जून 2026 को होने वाले मतदान हेतु सभी प्रशासनिक, सुरक्षा एवं निर्वाचन संबंधी तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई हैं। निर्वाचन प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए प्रशासन द्वारा व्यापक स्तर पर व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गई हैं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी जन्मेजय महोबे के सतत मार्गदर्शन, नगर पंचायत निर्वाचन हेतु नियुक्त पर्यवेक्षक अवध राम टंडन के पर्यवेक्षण, उप जिला निर्वाचन अधिकारी देवेंद्र चौधरी के समन्वय, रिटर्निंग ऑफिसर एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) चाम्पा पवन कोसमा के निर्देशन तथा सहायक रिटर्निंग ऑफिसर एवं तहसीलदार बम्हनीडीह शशिभूषण सोनी के नेतृत्व में निर्वाचन प्रक्रिया के सभी चरण सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिए गए हैं। नगर पंचायत बम्हनीडीह में अध्यक्ष पद हेतु कुल 05 अभ्यर्थी चुनाव मैदान में हैं, जबकि 15 वार्डों में पार्षद पद हेतु विभिन्न अभ्यर्थियों के मध्य निर्वाचन संपन्न कराया जाएगा। निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार नाम निर्देशन पत्र प्राप्ति, संवीक्षा, आपत्तियों का निराकरण, अभ्यर्थिता वापसी तथा निर्वाचन प्रतीक आवंटन की समस्त कार्यवाही विधिवत एवं पारदर्शी ढंग से पूर्ण की जा चुकी है। निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राजनीतिक दलों, अभ्यर्थियों एवं निर्वाचन अभिकर्ताओं की विभिन्न चरणों में बैठकें आयोजित की गई। इन बैठकों में आदर्श आचरण संहिता, प्रचार संबंधी नियम, वाहन अनुमति, मतदान प्रक्रिया, मतदान दिवस के प्रतिबंध, मतगणना प्रक्रिया एवं निर्वाचन आयोग के निर्देशों की विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। साथ ही मतदान केन्द्रों, स्ट्रांग रूम, मतदान सामग्री वितरण एवं वापसी स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। नगर पंचायत क्षेत्र के 15 वार्डों के लिए कुल 15 मतदान केन्द्र स्थापित किए गए हैं। सभी मतदान केन्द्रों पर पेयजल, विद्युत, छाया, बैठक व्यवस्था, दिव्यांगजनों हेतु रैम्प, वरिष्ठ नागरिकों के लिए प्राथमिकता सुविधा, शौचालय एवं अन्य मूलभूत सुविधाएँ सुनिश्चित कर दी गई हैं। प्रत्येक मतदान केन्द्र का अंतिम भौतिक सत्यापन एवं निरीक्षण भी पूर्ण कर लिया गया है। निर्वाचन कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न कराने हेतु कुल 15 मतदान दलों का गठन किया गया है। सभी पीठासीन अधिकारियों, मतदान अधिकारियों एवं निर्वाचन कार्मिकों का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक संपन्न कराया जा चुका है। प्रशिक्षण में ईवीएम संचालन, मतदान प्रक्रिया, मॉक पोल, मतदाता पहचान, निर्वाचन प्रपत्रों का संधारण, मतदान समाप्ति के पश्चात की जाने वाली कार्यवाही एवं निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया।निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदान दलों का रेंडमाइजेशन तथा ईवीएम एवं निर्वाचन सामग्री की कमीशनिंग की कार्यवाही भी विधिवत पूर्ण की जा चुकी है। यह समस्त प्रक्रिया अभ्यर्थियों एवं उनके प्रतिनिधियों की उपस्थिति में पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपन्न कराई गई।मतदान दिवस हेतु आवश्यक समस्त निर्वाचन सामग्री तैयार कर ली गई है। नियंत्रण इकाई (ष्टश्ठ्ठह्लह्श्द्य ठ्ठद्बह्ल), बैलेट यूनिट, वीवीपैट, वैधानिक प्रपत्र, मतदाता रजिस्टर, सील, टैग, स्टेशनरी एवं अन्य निर्वाचन सामग्री का संकलन एवं पैकेजिंग पूर्ण कर ली गई है। मतदान दलों को सामग्री वितरण एवं मतदान उपरांत सामग्री वापसी की व्यवस्था भी सुनिश्चित कर दी गई है। निर्वाचन की सतत निगरानी एवं प्रभावी पर्यवेक्षण हेतु 03 सेक्टर अधिकारियों/सेक्टर मजिस्ट्रेटों की नियुक्ति की गई है। इनमें नायब तहसीलदार श्री संजय बरेठ सहित अन्य सेक्टर अधिकारी मतदान दिवस पर अपने-अपने सेक्टरों में भ्रमण कर निर्वाचन प्रक्रिया की निगरानी करेंगे तथा किसी भी स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है। थाना प्रभारी बम्हनीडीह दिलीप सिंह के नेतृत्व में पुलिस बल द्वारा संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जा रही है। मतदान केन्द्रों एवं आसपास के क्षेत्रों में लगातार गश्त, वाहन जांच, सुरक्षा निरीक्षण एवं प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की जा रही है। अवैध शस्त्र, शराब वितरण, धन प्रलोभन तथा निर्वाचन को प्रभावित करने वाली गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है।मतदान दिवस पर मतदान का समय प्रातः 08:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक निर्धारित किया गया है। सभी मतदाता अपने साथ मतदाता परिचय पत्र अथवा निर्वाचन आयोग द्वारा मान्य पहचान पत्र लेकर मतदान केन्द्र पहुँच सकते हैं। पहचान सत्यापन, अमिट स्याही चिन्हांकन एवं निर्धारित प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत मतदान कराया जाएगा।मतदान केन्द्रों पर वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों एवं गर्भवती महिलाओं को प्राथमिकता प्रदान की जाएगी। ऐसे मतदाता जो स्वयं मतदान करने में असमर्थ हैं, उन्हें निर्वाचन आयोग के प्रावधानों के अनुसार सहयोगी की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी ताकि कोई भी पात्र मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न रहे। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार दिनांक 30 मई 2026 की मध्यरात्रि 12:00 बजे से चुनाव प्रचार पूर्णतः प्रतिबंधित हो चुका है। इसके पश्चात दिनांक 31 मई 2026 एवं मतदान दिवस 01 जून 2026 को किसी भी प्रकार की सभा, जुलूस, नुक्कड़ सभा, भाषण, नारेबाजी, प्रचार वाहन, पोस्टर, बैनर, पर्चे वितरण, ध्वनि विस्तारक यंत्र अथवा अन्य चुनाव प्रचार गतिविधियाँ प्रतिबंधित हैं। मतदान केन्द्रों के भीतर मोबाइल फोन, कैमरा एवं वीडियो रिकॉर्डिंग उपकरणों के उपयोग की अनुमति नहीं होगी तथा मतदान की गोपनीयता बनाए रखना प्रत्येक मतदाता एवं निर्वाचन कार्मिक का दायित्व होगा।

बावली कुआं मोहल्ले में टूटे पोल और तार बदलने विद्युत विभाग अब तक नाकाम

रायगढ़/मूक पत्रिका

वार्ड क्रमांक 2 में तीन दिनों बाद भी विद्युत आपूर्ति व्यवस्था बहाल नहीं हो सकी है।प्रभावित क्षेत्र के रहवासियों को विद्युत विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा लाईन सुधारने का आश्वासन तो दिया गया।परन्तु तीन दिन पूर्व आंधी तूफान से मोहल्ले में धराशाई हो चुके भारी विद्युत पोल को अब तलक नहीं बदला जा सका।बहरहाल विभागीय सुस्ती के करें जहां लोग गर्मी और उमस से हलाकान हो रहे है।वही उन्हें पेयजल को लेकर भी कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। बीते गुरुवार की शाम तेज अंधड़ और तूफान से बड़े पेड़ो के गिरने से जहां यातयात व्यवस्था प्रभावित रही।वही शहर के कई इलाकों में बिजली व्यवस्था भी ठप हो गई।जिसे विद्युत विभाग सुधार करने युद्धस्तर पर जूटा रहा।परन्तु विभाग के इस प्रयास का वार्ड क्रमांक 2 के रहवासियों को लाभ नहीं मिल सका। गुरुवार शाम आए तेज आंधी-तूफान के बाद शहर के अधिकांश क्षेत्रों में विद्युत व्यवस्था तो धीरे-धीरे

सामान्य हो गई, लेकिन वार्ड क्रमांक 2 के बावली कुआं क्षेत्र के रहवासी अब भी बिजली संकट से जूझ रहे हैं। स्थिति यह है कि तूफान के दौरान धराशायी हुआ विद्युत पोल तीन दिन बाद भी नहीं बदला जा सका है, जिसके कारण लगभग दर्जनभर घरों में विद्युत आपूर्ति बाधित बनी हुई है। लगातार हो रही देरी से लोगों में विद्युत विभाग के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है।स्थानीय लोगों के अनुसार आंधी-तूफान के दौरान क्षेत्र में लगे भारी विद्युत पोल और तार पर भारी भरकम पेड़ गिर गया था।जिस से विद्युत पोल धराशाई हो गया। पोल गिरने के बाद बिजली आपूर्ति पूरी तरह बंद हो गई। घटना के तत्काल बाद विभागीय अधिकारियों को इसकी सूचना दी गई थी। अधिकारियों द्वारा शीघ्र सुधार कार्य शुरू कर बिजली बहाल करने का आश्वासन भी दिया गया, लेकिन तीन दिन बीत जाने के बावजूद न तो नया पोल लगाया गया और न ही बिजली व्यवस्था पूरी तरह दुरुस्त हो सकी।

गर्मी और उमस ने बढ़ाई परेशानी, पेयजल के लिए हलाकान

इन दिनों जिले में भीषण गर्मी और उमस का दौर जारी है। ऐसे में तीन दिनों से बिजली गुल रहने के कारण लोगों का घरों में रहना मुश्किल हो गया है। पंखे, कूलर और अन्य विद्युत उपकरण बंद पड़े हैं। रात के समय स्थिति और अधिक खराब हो जाती है, जब लोगों को मच्छरों और उमस के बीच रात गुजारनी पड़ रही है।बिजली आपूर्ति ठप होने का असर पेयजल व्यवस्था पर भी पड़ रहा है। कई घरों में मोटर पंप नहीं चल पाने से पानी भरने में समस्या आ रही है।

विभागीय दावों पर उठ रहे सवाल?

एक ओर विद्युत विभाग द्वारा तूफान के बाद युद्धस्तर पर सुधार कार्य किए जाने का दावा किया जा रहा है, वहीं वार्ड क्रमांक 2 की स्थिति इन दावों पर सवाल खड़े कर रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि शिकायतों और बार-बार अनुरोध के बावजूद क्षेत्र को प्राथमिकता नहीं दी जा रही है। इससे लोगों में असंतोष बढ़ता जा रहा है।

पिकअप बना चलता-फिरता बस स्टैंड, लैलूंगा पुलिस की ताबड़तोड़ कार्रवाई से मचा हड़कंप!

मालवाहक वाहन में ठूंस-ठूंसकर भरे थे महिला, पुरुष और बच्चे, पुलिस ने बीच रास्ते रोका

लैलूंगा= सड़क सुरक्षा को लेकर लैलूंगा थाना पुलिस ने एक बार फिर सख्त रुख अपनाते हुए मालवाहक पिकअप वाहन पर ताबड़तोड़ कार्रवाई की है। जानकारी के अनुसार एक पिकअप वाहन में क्षमता से अधिक महिला, पुरुष और बच्चों को बैठाकर ले जाया जा रहा था, जिस पर पुलिस की नजर पड़ते ही कार्रवाई की गई।बताया जा रहा है कि वाहन में सवार सभी लोग कराडेगा क्षेत्र से सीतापुर जन्मदिन कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। माल ढुलाई के लिए पंजीकृत पिकअप वाहन को यात्री वाहन की तरह उपयोग किया जा रहा था, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई थी।

जान जोखिम में डालकर कर रहे थे सफर

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पिकअप में बड़ी संख्या में लोग सवार थे। वाहन में महिलाओं और बच्चों की मौजूदगी ने खतरे को और बढ़ा दिया था। यदि रास्ते में कोई

दुर्घटना होती तो गंभीर जनहानि से इंकार नहीं किया जा सकता था।

लैलूंगा पुलिस का सड़क सुरक्षा अभियान जारी

लैलूंगा थाना स्टाफद्वारा वाहन को रोककर आवश्यक कार्रवाई की गई और वाहन चालक को यातायात नियमों का पालन करने की सख्त हिदायत दी गई। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि मालवाहक वाहनों में यात्रियों को बैठाकर परिवहन करना नियमों का उल्लंघन है और ऐसे मामलों में लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

जनता ने की पुलिस की कार्रवाई की सराहना

क्षेत्र के लोगों ने पुलिस की इस कार्रवाई को सड़क सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। लोगों का कहना है कि ऐसे वाहनों पर समय-समय पर कार्रवाई होने से दुर्घटनाओं पर अंकुश लगेगा और लोगों की जान सुरक्षित रहेगी।

÷सुरक्षा से समझौता नहीं, नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई जारी÷ – लैलूंगा पुलिस का स्पष्ट संदेश

खाद कारोबारियों पर कृषि विभाग की बड़ी कार्रवाई: 2638 बोरी उर्वरक जब्त

चांपा के दिशा सेल्स पर विक्रय प्रतिबंध,कालाबाजारी और अवैध भंडारण पर विभाग की सख्ती

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन में कृषि विभाग ने जिले में उर्वरकों की कालाबाजारी और अवैध भंडारण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 2638 बोरी रासायनिक खाद जब्त की है। उर्वरक निरीक्षकों के दल ने निजी कृषि केंद्रों का औचक निरीक्षण कर अनियमितताएं मिलने पर कार्रवाई की। उप संचालक कृषि राकेश शर्मा ने बताया कि चांपा स्थित थोक विक्रेता मेसर्स दिशा सेल्स में

रासायनिक उर्वरकों के भंडारण एवं वितरण में अनियमितता पाए जाने पर उर्वरक (गुण नियंत्रण) आदेश 1985 के तहत कार्रवाई की गई। यहां से 1150 बोरी एनपीके 16:20:00:13, 428 बोरी एसएसपी (दानेदार), 630 बोरी एसएसपी (पावडर) और 98 बोरी जिंकेटेड एसएसपी सहित कुल 2306 बोरी उर्वरकों पर विक्रय प्रतिबंध लगाते हुए जब्ती की कार्रवाई की गई। इसके बाद निरीक्षण दल ने विकासखंड बलौदा के ग्राम पिसौद स्थित राजकुमार साहू कृषि केंद्र में छापेमारी की। जांच के दौरान 98 बोरी यूरिया, 94 बोरी जिंकेटेड एसएसपी, 70 बोरी ट्रिपल सुपर फास्फेट तथा 70 बोरी एनपीके उर्वरक का अवैध भंडारण पाया गया। इस पर विभाग ने 332 बोरी उर्वरक जब्त कर प्रतिष्ठान को सीलबंद कर दिया। कृषि विभाग ने स्पष्ट किया है कि किसानों को खाद की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने, कालाबाजारी रोकने तथा उर्वरकों के वितरण में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए जिलेभर में निरीक्षण अभियान लगातार जारी रहेगा। किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित विक्रेताओं के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

सरकारी भूमि पर कब्जा बना, विकास कार्य मे बाधा

नाली निकासी ठप सड़कों पर गंदा पानी जमा

पुसौर/मूक पत्रिका

नंदेली ग्राम पंचायत नंदेली में वर्षों से चले आ रहे अतिक्रमण के कारण ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गांव की नालियों का उचित निकासी नहीं होने से सड़कों पर गंदा पानी जमा हो रहा है, जिससे पूरे क्षेत्र में गंदगी और बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। तस्वीरों में साफ दिखाई दे रहा है कि सड़कें कीचड़ और गंदे पानी से भरी हुई हैं। जगह-जगह जलभराव के कारण ग्रामीणों का आवागमन प्रभावित हो रहा है। वहीं मच्छरों और कीटों की बढ़ती संख्या से डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है। सरकारी भूमि पर कब्जे का आरोप

ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में शासकीय भूमि पर अवैध कब्जों के चलते न केवल नाली निर्माण बाधित है बल्कि भविष्य में शासकीय भवनों के निर्माण के लिए भी पर्याप्त भूमि उपलब्ध नहीं बची है। कई वर्षों से ग्राम सभाओं और कलेक्टर जनदर्शन में शिकायतें एवं आवेदन दिए जाने के बावजूद आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

प्रशासन और पंचायत के जनप्रतिनिधियों पर उठ रहे सवाल- ग्रामीणों का कहना है कि वर्तमान ग्राम पंचायत और जिम्मेदार अधिकारियों को कई बार समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन उनकी शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया गया। सवाल यह है कि आखिर ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान कब होगा?

सबसे बड़ा सवाल-1.क्या ग्राम पंचायत नंदेली में हो रहे अतिक्रमण को हटाया जाएगा? 2. क्या नाली निकासी की समस्या का स्थायी समाधान होगा?3. या फिर वर्षों से चली आ रही यह समस्या यूं ही जारी रहेगी?

ग्रामीणों की मांग-ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि:शासकीय भूमि का तत्काल सीमांकन कराया जाए,अवैध कब्जों की जांच कर कार्रवाई की जाए,नाली निकासी एवं सड़क व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए,जलभराव और गंदगी से फैल रही बीमारियों पर नियंत्रण के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं। ÷जब शिकायतें वर्षों से की जा रही हैं, तो आखिर कार्रवाई कब होगी? क्या प्रशासन किसी बड़ी दुर्घटना या बीमारी फैलने का इंतजार कर रहा है?÷अब निगाहें प्रशासन और पंचायत पर टिकी हैं। देखना यह होगा कि नंदेली की जनता को राहत मिलती है या अतिक्रमण और जलभराव की यह समस्या आगे भी जारी रहती है।

सेवानिवृत्त शिक्षक लम्बोदर पटेल भाजपा में शामिल, वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने दिलाई सदस्यता..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

अड्डारहगढ़ फूलमाली समाज के प्रदेश अध्यक्ष और सेवानिवृत्त शिक्षक लम्बोदर पटेल ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर नई राजनीतिक पारी की शुरुआत की। उन्होंने राष्ट्रहित और जनसेवा की विचारधारा से प्रेरित होकर भाजपा का दामन थामा।सदस्यता कार्यक्रम के दौरान छत्तीसगढ़ शासन के वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओपी चौधरी ने लम्बोदर पटेल को भाजपा का गमछा पहनाकर पार्टी की प्राथमिक सदस्यता दिलाई। इस मौके पर मौजूद भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत करते हुए संगठन में सक्रिय भूमिका निभाने की उम्मीद जताई। लम्बोदर पटेल लंबे समय से सामाजिक गतिविधियों और समाज हित के कार्यों से जुड़े रहे हैं। अड्डारहगढ़ फूलमाली समाज के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में उन्होंने समाज के विभिन्न कार्यक्रमों और जनजागरूकता अभियानों में सक्रिय भूमिका निभाई है। उनके भाजपा में शामिल होने को क्षेत्र में सामाजिक और राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष स्वप्निल स्वर्णकार, मंडल अध्यक्ष प्रदीप सतपथी, महामंत्री महेश बारीक तथा युवा मोर्चा मंडल सरिया की टीम के सदस्य शिवांशु गुरु, आकाश नायक, हितेश पटेल, शुभम सराफ और मिलन प्रधान सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भीषण गर्मी से नीचे खिसका भू जल स्तर, अमृत मिशन की धीमी जलापूर्ति पर भी उठे सवाल

- शहर में गहराने लगा पेयजल संकट, दस दिनों में 64 बोर पंप हुए खराब

रायगढ़/मूक पत्रिका

भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान का असर अब शहर की पेयजल व्यवस्था पर साफ दिखाई देने लगा है। शहर में जलस्तर तेजी से नीचे खिसकने के कारण निगम क्षेत्र के बोर पंप लगातार जवाब देने लगे हैं। हालात यह हैं कि नगर निगम को प्रतिदिन औसतन आधा दर्जन बोर पंपों में खराबी की शिकायतें मिल रही हैं, जिससे कई वार्डों में पेयजल संकट गहराने लगा है। जानकारी के अनुसार बीते दस दिनों के भीतर शहर के विभिन्न वार्डों में कुल 64 बोर पंप प्रभावित हुए हैं। इनमें कई बोर पंपों की मोटर जल गई, जबकि अनेक स्थानों पर भू-जल स्तर नीचे चले

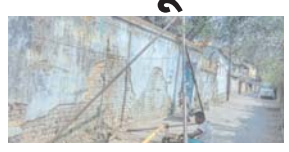

जाने से पानी का प्रवाह कम हो गया। ऐसी स्थिति में निगम को बोर पंपों में अतिरिक्त 50 से 70 फीट तक कंप्रेशर पाइप डालकर जल आपूर्ति बहाल करनी पड़ रही है।बताया जा रहा है कि रायगढ़ शहर में पेयजल आपूर्ति के लिए 400 से अधिक बोर पंप स्थापित हैं। गर्मी बढ़ने के साथ इन बोर पंपों पर निर्भरता भी बढ़ गई है, जिससे मशीनों पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है। लगातार संचालन और जलस्तर गिरने के कारण मोटर जलने एवं पाइपलाइन संबंधी तकनीकी समस्याएं तेजी से सामने आ रही हैं।नगर निगम की टीमों द्वारा खराब बोर पंपों की मरम्मत और मोटर बदलने का कार्य लगातार किया जा रहा है। वहीं जिन क्षेत्रों में जलस्तर अत्यधिक नीचे चला गया है, वहां अतिरिक्त पाइप डालकर पानी निकालने की कोशिश की जा रही है। हालांकि लगातार बढ़ती गर्मी के कारण निगम के सामने पेयजल व्यवस्था बनाए रखना चुनौती बनता जा रहा है।

अमृत मिशन का नहीं मिल रहा साथ

करोड़ो रुपए खर्च कर लोगों की सुलभ जलापूर्ति के लिए अमृत मिशन के तहत समूचे शहर में पाईप लाईन विस्तार के साथ बड़ी बड़ी टंकियों का निर्माण कराया गया है। परन्तु शासन की यह महत्वाकांक्षी योजना धरातल पर पूर्णतया असफल नजर आ रही है।आलम यह है कि कुछ वार्डो में तो इसका पानी ही नहीं पहुंचता।और कही पहुंच भी रहा है तो महज आधे घंटे में ही बंद हो जाता है। यदि इस भीषण गर्मी में अमृत मिशन का साथ शहर के बोर पंपों को मिलता तो संभवतः पेयजल की किल्लत काफी हद तक कम की जा सकती थी।

धान कोचियों व राइसमिलरों सहित विभागीय अधिकारियों की साँठ-गाँठ से अवैध रूप से ओडिशा भेजी जा रही धान..?

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के सरिया-बरमकेला क्षेत्र में इन दिनों धान कोचियों व राइसमिलरों सहित विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों की कथित मिलीभगत से एक बड़े रैकेट के संचालन की चर्चा तेज है। बताया जा रहा है कि इन क्षेत्रों में धान की कालाबाजारी का खेल लंबे समय से जारी है, जिसमें स्थानीय धान माफिया बड़ी मात्रा में अवैध रूप से धान खरीदकर राइस राइसमिलरों की मिलीभगत से भारी वाहनों में धान खपाने का काम कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार दिन हो या रात, धान की तस्करी धड़ल्ले से जारी रहने की बातें सामने आ रही हैं। इसके बावजूद संबंधित विभाग और पुलिस प्रशासन पर सवाल उठ रहे हैं कि आखिर इतनी बड़ी

गतिविधियों के बावजूद सख्त नकेल क्यों नहीं कसी जा रही। हालात ऐसे हैं कि जिम्मेदार विभाग कार्रवाई करने के बजाय मानो महाभारत के धृतराष्ट्र की भूमिका में नजर आ रहे हैं। हालांकि विगत दिनों ऐसे ही एक मामले में मंडी अधिनियम के तहत एक राइस मिलर की धान से भरी ट्रक पर चलानी कार्रवाई जरूर की गई थी, लेकिन चर्चा है कि उसके बाद भी उसी राइस मिल सहित अन्य स्थानों पर यह खेल लगातार जारी है। मामला केवल स्थानीय स्तर तक सीमित नहीं बताया जा रहा। क्षेत्र में यह भी चर्चा है कि रात के अंधेरे का फायदा उठाकर धान से भरे ट्रकों को ओडिशा की ओर भेजा जा रहा है। इसमें छोटे-बड़े व्यापारियों की भी सक्रिय भूमिका होने की बात कही जा रही है, जिससे यह पूरा नेटवर्क और बड़ा दिखाई देता है। यदि यह गतिविधियां जारी हैं तो यह केवल नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि किसानों, मंडी व्यवस्था और राजस्व व्यवस्था से जुड़ा गंभीर विषय बन सकता है। अब बड़ा सवाल यह खड़ा होता है कि जब धान से भरे भारी वाहन सड़कों पर दौड़ रहे हैं और अवैध कारोबार की चर्चाएं खुलेआम हो रही हैं, तब संबंधित विभाग और प्रशासन आखिर किस कार्रवाई का इंतजार कर रहा है..? क्या इस पूरे नेटवर्क पर सख्त कार्रवाई होगी या फिर धान की यह कथित कालाबाजारी और सीमापार भेजने का खेल यूं ही चलता रहेगा..?

महाजेंको को बेच दी जंगल की जमीन, 100 करोड़ के घोटाले में पीएमओ में शिकायत के बाद महाराष्ट्र सरकार ने शुरू की जांच

महाजेंको को बेच दी जंगल की जमीन, 100 करोड़ के घोटाले में पीएमओ में शिकायत के बाद महाराष्ट्र सरकार ने शुरू की जांच

सही तरीके से हुई जांच तो नपेंगे वन, राजस्व व महाजेंको के भी अफसर

रायगढ़/मूक पत्रिका

÷जिले के भू माफिया और दलालों ने महाराष्ट्र सरकार की बिजली कंपनी को 100 करोड़ का चूना लगा दिया। महाराष्ट्र की बिजली कंपनी महाजेंको को रायगढ़ के दलालों ने फॉरेस्ट की 500 एकड़ जमीन बेच दी। यह जमीन छत्तीसगढ़ और ओडिशा की सीमा से लगी, वो जमीन है जिसका कोई राजस्व रिकॉर्ड नहीं है। यह जंगल की जमीन है और यहां पर सैकड़ों सालों से आदिवासी रहते आ रहे हैं। दलालों ने तहसीलदार, वन अधिकारी और पटवारी से सांठगांठ कर महाजेंको को 100 करोड़ में यह जमीन बेच दी। इस जमीन की फर्जी रजिस्ट्री कर दी गई। सालों से ये सिंडिकेट कैपा के पैसे की भी बंदरबांट कर रहा है। महाराष्ट्र सरकार ने अब 100 करोड़ के इस घोटाले की जांच बैठाई है। यह पूरा घोटाला 100 करोड़ की 500 एकड़ जमीन से जुड़ा है। यह जमीन महाराष्ट्र सरकार की बिजली कंपनी महाजेंको ने रायगढ़ जिले में खरीदी है। महाजेंको को रायगढ़ जिले के गारे पेलमा में कोल ब्लॉक आवंटित हुआ है। इसकी एमडीओ अडानी कंपनी है। इस कोल ब्लॉक की ऐवज में बिजली कंपनी ने पेड़ लगाने के लिए 500 एकड़ जमीन

खरीदी। छत्तीसगढ़ के दलालों और भूमाफिया ने राजस्व और वन अधिकारियों से साठ गांठ कर महाजेंको को 100 करोड़ का चूना लगा दिया इन लोगों ने बिजली कंपनी को उस जमीन की फर्जी रजिस्ट्री कर दी जो फॉरेस्ट की जमीन है और इस पर सालों से आदिवासी रहते आ रहे हैं। इस पूरे गड़बड़ घोटाले में महाजेंको के अधिकारी, छत्तीसगढ़ के राजस्व विभाग के पटवारी, तहसीलदार, एसडीएम और डीएफओ शामिल हैं।

आदिवासियों की जमीन की फर्जी रजिस्ट्री-छत्तीसगढ़ का रायगढ़ जिला ओडिशा की सीमा से लगा हुआ है। यहां के 10-12 गांव जो 10 हजार हेक्टेयर से ज्यादा जमीन पर बसे हुए हैं, वे न तो छत्तीसगढ़ में आते हैं और न ही उड़ीसा में। सरकारी रिकॉर्ड में इनको मसाहती गांव घोषित किया हुआ है इसलिए इनका कोई राजस्व रिकॉर्ड नहीं है। यहां पर सालों से आदिवासी लोग रहते हैं जो वहीं पर खेती कर अपना जीवन यापन करते हैं। भूमाफिया और दलालों ने इसी 500 एकड़ जमीन की रजिस्ट्री महाजेनको को कर दी। इस फर्जी रजिस्ट्री में पटवारी से लेकर तहसीलदार और वन अधिकारी का सिंडीकेट शामिल है। हैरानी की बात ये है कि पटवारी तहसीलदार और बन अधिकारियों ने यह लिखकर भी दे दिया कि वे भौतिक रूप से यह जमीन देखकर आए है। यानी जो जमीन है ही नहीं उसका भौतिक सत्यापन हो गया और उसकी रजिस्ट्री भी कर दी गई। जाहिर है जमीन के इन 100 करोड़ की बंदरबांट इन सबके बीच में हो गई।

अब महाराष्ट्र सरकार ने बिठाई जांच-यहा पूरा मामला हाल ही में सामने आया है जब महाराष्ट्र सरकार ने इसकी जांच बैठाई है। महाराष्ट्र सरकार के इंडस्ट्री एवं एनर्जी डिपार्टमेंट ने बिजली कंपनी के एमडी को ऑर्डर जारी कर इस पूरे घोटाले की जांच करने को कहा है। छत्तीसगढ़ के विसिल ब्लोअर नरेश गुप्ता ने इस पूरे मामले की शिकायत प्रधानमंत्री ऑफिस से की। पीएमओ ने महाराष्ट्र सरकार को इस मामले की जांच कराने के निर्देश दिए हैं।

महाजेंको ने शैली कंपनियों से खरीदी 100 करोड़ में 500 एकड़ जमीन-इस घोटाले की पूरी स्क्रिप्ट तैयार की गई। पर्यावरण मंजूरी के लिए लगने वाली जमीन की तलाश कर रहे महाजेनको के अधिकारियों की मुलाकात इन दलालों से कटाई गई। इन्होंने ही कंपनी के लिए कंसल्टेंट नियुक्त किया। इस कंसल्टेंट ने उन अखबारों में जमीन संबंधी विज्ञापन छपवाए जिनका सुर्कलेशन जीरो है। विज्ञापन के बाद जिन एजेंसियों ने अपनी रुचि दिखाई वे इन दलालों की ही फर्जी एजेंसी थी। महाजेंको ने शेल कंपनियों से 100 करोड़ में 500 एकड़ जमीन खरीदी। इस पूरे गड़बड़ घोटाले में महाजेंको के अधिकारी, छत्तीसगढ़ के राजस्व विभाग के पटवारी, तहसीलदार, एसडीएम और डीएफओ शामिल हैं

कहां से आएगी हरियाली, कैंपा मद पर भी उठे सवाल- जब किसी सड़क, खदान, बांध, रेलवे, उद्योग या दूसरी परियोजना के लिए जंगल की जमीन का उपयोग किया जाता है, तब जितना वन क्षेत्र प्रभावित होता है, उसकी भरपाई के लिए परियोजना एजेंसी से एक राशि ली जाती है। यही पैसा कैंपा फंड में जमा होता है। कैंपा का उद्देश्य जंगलों की क्षति की भरपाई करना और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना है। इसके तहत कई काम किए जाते हैं। जैसे पौधारोपण करना, कटे हुए जंगलों की भरपाई करना, वन्यजीव संरक्षण, जंगलों में जल संरक्षण और मिट्टी संरक्षण कार्य, वन क्षेत्रों में सड़क, चौकी, फेंसिंग जैसी बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराना और स्थानीय वनवासियों और ग्रामीणों से जुड़े संरक्षण कार्य करना। इसके लिए कंपनी से हर साल करोड़ों रुपए का फंड आता है। अब यह पैसा कहां जा रहा है यह किसी को पता नहीं है। जाहिर है इस फंड की भी बंदरबांट हो रही है।

अवैध रेत उत्खनन पर कार्रवाई 100 ट्रैक्टर रेत वापस नदी में डाली गई

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जांजगीर-चांपा।कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशानुसार जिले में अवैध रेत उत्खनन एवं भंडारण के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। खनिज अधिकारी ने बताया कि ग्राम आमोदी (खपरीडीह) में अवैध रूप से भंडारित रेत के विरुद्ध भी लगातार कार्रवाई जारी रखते हुए आज लगभग 100 ट्रैक्टर रेत को वापस नदी में डलवाया गया। इसी क्रम में खनिज ,राजस्व एवं पुलिस विभाग द्वारा ग्राम पीथमपुर-भादा क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन की शिकायत पर संयुक्त जांच की गई।जांच के दौरान ग्राम भादा में नियमों के विपरीत चैन माउंट के माध्यम से रेत खनन किया जाना पाया गया। इस पर कार्रवाई करते हुए 1 चैन मशीन को जब्त

कर मौके पर ही सीलबंद किया। वहीं ग्राम देवरहा में भी अवैध रेत खनन में संलिप्त 1 अन्य चैन मशीन को सीलबंद करने की कार्रवाई की गई। उक्त दर्ज प्रकरणों में छत्तीसगढ़ गौण खनिज साधारण रेत उत्खनन एवं व्यवसाय नियम 2025 तथा खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 के प्रावधानों के तहत जांच कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय

हज के बाद जंग!

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप 'अच्छी खबर' तो दे नहीं सके और न ही ईरान के साथ समझौता कर पाए, लेकिन उनके लड़ाकू विमानों ने ईरान के नौसेना बेस पर तीन हमले जरूर कर दिए। इस तरह ट्रंप ने युद्धविराम तुड़वा दिया। अमरीकी सेना ने ईरान के बंदर अब्बास बंदरगाह पर हमले कर ईरानी स्पीड नौकाओं को समंदर में डुबो दिया। मिसाइल लॉन्च साइट्स पर भी हवाई हमले कर उन्हें नष्ट कर दिया गया। अमरीकी सेना की दलील है कि ईरानी नौकाएं समंदर में बारूदी सुरंगें बिछा रही थीं, लिहाजा आत्मरक्षा में अमरीका को हमले करने पड़े। इन हमलों और धमाकों में ईरानी आईआरजीसी के 4 जवान हताहत हुए और कुछ घायल भी हुए हैं। ईरान ने इसे युद्धविराम का 'साक्षात उल्लंघन' करार दिया है और अमरीका को 'महान शैतान' माना है। ईरान बेहद गुस्से में है। चूंकि यह 'पवित्र हज' का दौर है, दुनिया भर से 15 लाख से अधिक जायरीन हज यात्रा के लिए मक्का पहुंच चुके हैं। भारत के जायरीनों (तीर्थयात्रियों) का अधिकृत कोटा भी 1.75 लाख से ज्यादा का है, लिहाजा ईरान किसी संभावित युद्ध के दोबारा आगाज के मद्देनजर खामोश है, लेकिन उसने हमलों की पुष्टि की है। युद्धविराम के दौरान अमरीका ने ऐसे हमले किए हैं, लिहाजा युद्धविराम टूट चुका है। सवाल है कि क्या हज के बाद युद्ध नए सिरे से छिड़ेगा? यह बेहद गंभीर, संवेदनशील, मानवीय सवाल है, क्योंकि पूरा विश्व इससे प्रभावित हुआ है। हाहाकार मचा है। ऊर्जा के अलावा खाद्य संकट, उर्वरक संकट, माल के आयात-निर्यात का संकट और अंततः भुखमरी का संकट इस युद्ध के नतीजतन ही है। अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां और विश्व बैंक 'महामंदी' की चेतावनी दे रहे हैं, लेकिन अमरीका और ईरान वैश्विक तबाही को आमादा हैं। अमरीका ने आदतन फिर दोगला प्रहार किया है। एक ओर कतर की राजधानी दोहा में कथित मध्यस्थ देश शांति-समझौते की रूपरेखा पर बातचीत कर रहे हैं, लेकिन दूसरी ओर अमरीकी सेना ने ईरानी पक्ष पर हमले किए हैं? यह किस किस्म की कूटनीति या शांति-संवाद हैं? राष्ट्रपति ट्रंप दावा करते रहे हैं कि ईरान के साथ अमरीका की 95 फीसदी सहमति बन चुकी है। शेष 5 फीसदी पर बातचीत जारी है, लेकिन साथ में यह धमकी भी देते रहे हैं कि यदि ईरान ने करार नहीं किया, तो पहले से भी भयंकर हमले किए जाएंगे। ईरान ने राष्ट्रपति ट्रंप के दावों, सहमतियों और सवंर्धित यूरेनियम संबंधी बयानों को सिरे से खंडित किया है। अब हमलों के बाद और बकरीद के मौके पर ईरान के सुप्रीम लीडर मुज्तबा खामेनेई का संदेश टीवी पर पढ़ा गया है, जिसमें उन्होंने ट्रंप को चेतावनी दी है कि अब खाड़ी देश अमरीकी सैन्य ठिकानों की 'ढाल' नहीं बनेंगे। अब खाड़ी का यह इलाका अमरीका के लिए 'सुरक्षित पनाहगाह' नहीं रहा है। खामेनेई ने मुस्लिम देशों को एकजुट होने और नई विश्व-व्यवस्था बनाने की अपील भी की है। हमलों के बाद ईरान ने पलटवार कर अमरीका के एम.क्यू.-9 ड्रोन (कीमत करीब 250 करोड़ रुपए) और आर.क्यू.-4 हॉक ड्रोन को मार गिराने का दावा किया है। अमरीका के बेशकीमती एफ-35 फाइटर जेट पर भी मिसाइल से हमला किया गया है। इससे ईरान और सुप्रीम लीडर के मजबूत और आक्रामक मंसूबों को पढ़ा जा सकता है। रक्षा विशेषज्ञों के आकलन हैं कि हज के बाद, यानी आगामी 72 घंटों में, ईरान युद्ध नए सिरे से शुरू हो सकता है। यह भी आकलन है कि 3-4 महीने युद्धविराम का नाटक करने के बाद अमरीका सितंबर-नवंबर के दरमियान फिर हमला कर सकता है। तब तक राष्ट्रपति ट्रंप पर घरेलू दबाव, मध्यावधि चुनावों का तनाव और अमरीका की आर्थिक स्थिति के मद्देनजर जन-विरोध उतना नहीं रहेगा, जितना अब है। दोनों देशों के बीच समझौते के आसार बहुत कम हैं, क्योंकि यूरेनियम, ईरान की जब्त संपत्तियों, पाबंदियों, हमले की क्षतिपूर्ति, होर्मुज जलमार्ग आदि अहम मुद्दे यथावत अनसुलझे रहे हैं। उधर राष्ट्रपति ट्रंप ने एक नया खेल शुरू कर दिया है कि सभी खाड़ी देश और वार्ता में जुटे मुस्लिम देश 'अब्राहम समझौते' पर दस्तखत करें और इजरायल को मान्यता दें। खाड़ी के अधिकतर देश सन्नाटे में हैं, क्योंकि वे इजरायल के साथ किसी भी तरह के संबंधों के पक्षधर नहीं हैं। यह युद्ध कब तक जारी रहेगा, यह बात अधिकतर अमरीका के रुख पर निर्भर करती है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को समझना कठिन है, क्योंकि वह कभी युद्धविराम की घोषणा कर देते हैं, और कभी ईरान पर हमले जारी रखने की बात करने लग जाते हैं। अनिश्चय की जैसी स्थिति बनी हुई है।

जनजातीय धर्मभक्ति की ज्वाला से बढ़ा दिल्ली का तापमान

तरुण विजय

लाल किले के प्राचीर से भारत वर्ष के कोने कोने से आये लाखों जनजातीय समाज के लोगों ने अपने धर्म, संस्कृति की रक्षा, हेतु जो हुंकार भरी उसकी अनुगूंज वर्षों वर्षों तक कायम रहेगी। सर्वाधिक मंत्रमुग्ध करने वाला प्रभावशाली विचारोत्तेजक सम्बोधन था भारत के गृहमंत्री अमित शाह का जिन्होंने निर्भीक स्पष्टता से भारतीय जनजातीय समाज की धर्मरक्षा, संस्कृतिरक्षा की बात की। वह अभूतपूर्व और असाधारण बात थी और उन्होंने लाखों जनजातीय बंधुओं-बहनों को एक प्रकार से रोमांचित कर दिया। उनके यह शब्द वर्षों तक याद किए जाएंगे कि भगवान बिरसा मुंडा को तो मैंने नहीं देखा लेकिन आज जो यहाँ जनजातीय समाज का सागर उमड़ पड़ा है मैं उन में बिरसा मुंडा के दर्शन कर रहा हूँ और यह जनजातीय सांस्कृतिक समागम बिरसा मुंडा के उलगुलान (परिवर्तन हेतु जन क्रांति) के बाद का पहला समागम है। भारत के इतिहास में ऐसा पहले कभी भी कोई धर्मरक्षा संस्कृतिरक्षा का समागम नहीं हुआ। इन शब्दों ने जो साहस दिया, जनजातियों का जो मनोबल बढ़ाया उसकी कोई तुलना नहीं है। यह समागम एक प्रकार से जनजातीय वहाँ महा कुंभ था जिसमें सात सौ से अधिक जनजातियों के लोग आए जो जैसलमेर से लेकर लद्दाख, तवांग अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, असम, त्रिपुरा से लेकर अंडमान निकोबार, बंगाल, गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र, तेलंगाना, केरल झारखंड से, छत्तीसगढ़- सब जगह से। ऐसा देश ने कभी देखा नहीं और दिल्ली के सद्भावी नागरिकों ने अपने घर के दरवाजे खोल दिए और हर घर में इन जनजातीय भाई-बहनों को रुकवाया गया। उनकी सेवा की, उनको भोजन, पानी दिया उनको स्टेशन से लाए और छोड़ने गए। ऐसा दिल्ली ने कभी दृश्य देखा नहीं। दिल्ली का हृदय कितना बड़ा है वह इस समागम के आतिथ्य से पता चला। दिल्ली के राष्ट्रवादी कार्यकर्ताओं ने इस जनजातीय बंधू बहनों का इतना सुंदर सत्कार किया कि उसको व्यक्त करना संभव नहीं है।

जो भी जनजातीय समाज छोड़कर ईसाई बनता है, कन्वर्टेड होता है उसको जनजातीय समाज की सूची यानी शेड्यूल ट्राइब सूची से बहार निकल कर मूल जनजातियों को बचाइए क्योंकि धर्मान्तरण करने वाला जनजातीय रह ही नहीं जाता है। जनजाति समाज के वरिष्ठ इंजीनीयर, पद्मश्री से अलंकृत अरुणाचल के प्रसिद्द वैचारिक अग्रणी तिची गुबिन ने कहा कि वहाँ अरुणाचल क्रिस्चियन फेरम है। उसके नेताओं ने खुले आम सोशल मीडिया पर धमकी दी है कि वे पूरे अरुणाचल को ईसाई लैंड बनाएंगे, क्रिस्चियन लैंड बनाएंगे। गुबिन ने मांग की है कि हमारे धर्म की रक्षा की जाए और जो भी हमारे समाज को छोड़कर ईसाई होता है उसको शिड्यूल ट्राइब की लिस्ट से डीलिस्ट किया जाए।

प्रसिद्द जनजातीय नेता, विचारक एंड राजनीति के धुरंधर गनेश राम भगत ने तो पूरे समागम को एक प्रकार से मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने कहा कि हमारे रक्त में भगवान राम का रक्त है, हम भगवान राम के वंशज हैं। भगवान राम के लिए हमने रावण का हनन किया था और उस को परास्त किया था। हम इस कनवर्जन के राक्षस से भी लड़ सकते हैं और इस राक्षस को हम समाप्त करेंगे।

अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के सहयोग से जनजाति सुरक्षा मंच के तत्वावधान में इस समागम का आयोजन हुआ। यह संगठन विश्व का सबसे बड़ा गैर ईसाई जनजातीय संगठन है। देश भर में वनवासी कल्याण आश्रम के सत्रह हज़ार से अधिक प्रकल्प चलते हैं, जिनमें छात्रावास, आरोग्य केंद्र, विद्यालय, धर्मजागरण मंच, खेलकूद केंद्र, शामिल हैं। इसके कार्यकर्ताओं में आईआईटी के स्नातक, डॉक्टर, इंजीनियर, प्रोफेसर, जे एनयू, दिल्ली विश्विद्यालय के प्राध्यापक, महिला अधिकार रक्षा संगठनों के प्रमुख, सॉफ्टवेयर इंजीनियर, अनेक मंत्री, सांसद आदि सब सक्रिय भूमिका निभाते हैं। इसके अध्यक्ष राजस्थान के भील जनजाति से सतेंद्र सिंह हैं, जिनका धाराप्रवाह सम्बोधन मुर्दों में भी जान फूंक देता है। इसी प्रकार संगठन के प्रमुख कार्यकर्ताओं पदाधिकारियों में अतुल जोग, भगवान सहाय, प्रमोद पेठकर, हर्ष चौहान, तेचि गुबिन जैसे अत्यंत श्रेष्ठ विद्वान हैं परन्तु वे कभी भी सामने आते नहीं, शांत निर्विकार भाव से अचीन्हे अनजान रहकर जनजाति रक्षा और विकास के कार्य में लगे रहते हैं। उन्ही की ओर इंगित करते होते अमित शाह ने अपने सम्बोधन में कहा कि जनजाति समाज का हमारे प्रति इतना विश्वास है कि हाल ही के बंगाल चुनावों में प्रदेश की सोलह में से सोलह जनजातीय सीटें भाजपा ने जीतीं हैं। लाल किले के जनजातीय समागम में मणिपुर, अरुणाचल, नागालैंड और असम की बहनों ने इतना सुंदर वंदे भारतम गाया की सब चकित रह गए। इस समागम की गूंज आने वाले वर्षों तक केवल गूंजती हे नहीं रहेगी बल्कि इसका असर होगा और भारत सरकार को बाध्य होना पड़ेगा कि वह धर्मान्तरित होने वाले तमाम जनजातीय लोगों को डी लिस्ट करे शिड्यूल ट्राइब से बाहर निकाले।

इस समागम ने जनजातीय समाज को शक्ति दी है, भक्ति दी है, युक्ति दी है, तत्त्वचिंतन दिया है और पराक्रम का एक भाव जागृत किया है कि हम जनजातीय हैं, हम भारत माता की संतान हैं, हम कभी परास्त नहीं होंगे राष्ट्र के शत्रुओं को, संस्कृति और धर्म के शत्रुओं को हम परास्त करेंगे।

क्या कांग्रेस में संतों के खिलाफ बोलने की होड़ लगी है ?

सुनील दास

किसी देश या राज्य में संतों का आगमन तो शुभ माना जाता है।कहा जाता है कि राज्य के लोगों को सौभाग्य है जो यहां संत महात्मा आते हैं। हर राज्य में जब संत महात्मा आते हैं तो लोगों को उनके प्रवचन से लाभ होता है।वह जानते समझते हैं कि इस जीवन में अच्छा व बुरा क्या है। कोई भी संत महात्मा आता है तो वह लोगों में शुभ विचार पैदा करता है। लोगों को बताता है कि शुभ विचार से ही शुभ कर्म होते है और शुभ कर्म का फल शुभ ही होता है।संत महात्मा के आने से लोग छत्तीसगढ़ में उनका भक्तिभाव से स्वागत करते रहे हैं। पिछले कुछ महीनों में यह भी देखने को मिला है कि संत महात्मा कोई आता है तो कांग्रेस का कोई न कोई दिग्गज नेता शुभ-शुभ नहीं बोलता है। इससे स्वाभाविक रूप से ऐसा लगता है कि कांग्रेस के बड़े नेताओं में संत महात्मा के खिलाफ बोलने की होड़ तो नही लगी है।एक संत महात्मा आएगा तो एक कांग्रेस नेता बुरा बुरा बोलेगा, दूसरा संत महात्मा आएगा तो दूसरा कांग्रेस नेता बुरा बुरा बोलेगा।

जगदुरु रामभ्रद्राचार्य इन दिनों चिरमिरी में आयोजित रामकथा कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे हैं।उन्होंने ऐसा कोई बयान नहीं दिया जिससे कांग्रेस नेता को बुरा लगे। इसके बाद भी नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता चरणदास महंत का यह बयान राज्य में चर्चा का विषय बना हुआ है कि स्वामी रामभद्राचार्य भाजपा के प्रचारक हैं और वह भाजपा का प्रचार करने आए हैं।ऐसे लोगों को न मैं जगदुरु मानता हैं और न गांव का गुरु मानता हूं। मैं उनसे आशीर्वाद लेने भी नहीं जाऊंगा।डॉ महंत रामभद्राचार्य को भाजपा का प्रचारक मानते हैं,उनको जगदुरु नहीं मानते हैं, वह आशीर्वाद नहीं लेना चाहते है तो न माने,चुप रहते तो क्या हो जाता।उनके इलाके में कोई संत महात्मा आया है और सनातनी है तो उनके खिलाफ बोलना डॉ.महंत के लिए जरूरी था क्योंकि कांग्रेस में माना जाता है कि आलाकमान उस नेता से खुश होता है जो भाजपा,सनातनी संत महात्मा के खिलाफ बोलते हैं।

कांग्रेस में खांटी कांग्रेसी तो वही माना जाता है तो भाजपा,पीएम मोदी,आरएसएस व सनातनी संत महात्माओं को बुरा-बुरा कहता है। खासकर तब जब कोई सनातनी संत महात्मा उसके राजनीतिक प्रभाव वाले क्षेत्र में आए। इस बार संत महात्मा डॉ.महंत के इलाके में आए इसलिए इस बार संत महात्मा के खिलाफ बोलने की उनकी पारी थी। वह ऐसा नहीं करते तो दिल्ली तक खबर पहुंच जाती कि डॉ.महंत के इलाके में सनातनी संत महात्मा आए थे जो भाजपा समर्थक हैं और डॉ.महंत ने कुछ नही कहा।ज्ञात हो कि इसी साल अप्रैल में धीरेंद्र शास्त्री भिलाई यानी पूर्व सीएम भूपेश बघेल के इलाके में आए थे तो भूपेश बघेल ने कहा था कि बाबा बागेश्वर ढोंगी है,भाजपा के एजेंट हैं,वह छत्तीसगढ़ पैसा बटोरने आते हैं।बाबा बागेश्वर की आलोचना कर भूपेश बघेल ने अपने को खांटी कांग्रेस नेता साबित किया था तो अब जब संत महात्मा डॉ.महंत के इलाके में आए तो खुद को खांटी कांग्रेस नेता साबित करने की बारी उनकी थी और उन्होंने ऐसा साबित किया है।

जगदुरु रामभद्राचार्य सनातन के पक्षधर हैं, सनातन के बारे में बोलते रहते हैं। डॉ.महंत के बयान पर उन्होंने कहा है कि किसी को उनके जगदुरु होने पर शक है तो मंच पर आकर परीक्षण कर सकता है। छत्तीसगढ़ में संत महात्मा की आलोचना करने पर भाजपा के नेता पहले भी कांग्रेस नेताओं की तीखी आलोचना की थी और इस बार भी डॉ.महंत की तीखी आलोचना की है।भाजपा के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता संतोष पांडेय ने कहा है कि नेता प्रतिपक्ष का बयान सनातन विरोधी और मानसिक दिवालियापन से भरा है। देश के संतों को फर्जी कहना,उन्हें बाबा कह कर अपमान करना बेहद निदंनीय है।प्रदेश की जनता संतों का अपमान सहन नहीं करेगी।भाजपा विधायक पुरंदर मिश्रा ने कहा है कि कांग्रेस पार्टी व उनके नेता विधर्मी हैं। सीएम के सलाहकार पंकज झा ने कहा है कि कांग्रेस में अब कोई अच्छा आदमी नहीं बचा है क्योंकि कांग्रेस में बने रहने की शर्त यहीहै कि आपको बुरा दिखना चाहिए। सनातन विरोधी दिखना चाहिए।

यह कैसा समाज है, जिसमें अदालतें समझाएं रिश्तों का धर्म

ललित गर्ग

किसी भी सभ्यता की वास्तविक पहचान उसकी ऊँची इमारतों, चमकती सड़कों, आर्थिक प्रगति या तकनीकी उपलब्धियों से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वह अपने बुजुर्गों, माता-पिता और निर्बल वर्ग के प्रति कितना संवेदनशील है। लेकिन आज का सबसे पीड़ादायक प्रश्न यही है कि जिस भारत ने मातृ देवो भव:, पितृ देवो भव: का उद्घोष किया, जिस धरती से वसुधैव कुटुम्बकम् का विचार पूरी दुनिया में पहुँचा, उसी भूमि पर आज माता-पिता को अपने ही घर में सम्मान और आश्रय पाने के लिए अदालतों का दरवाजा खटखटाना पड़ रहा है। हाल के वर्षों में देश की अदालतों में ऐसे मामलों की संख्या बढ़ी है, जहाँ वृद्ध माता-पिता को अपने ही बच्चों से संरक्षण, भरण-पोषण, रहने की व्यवस्था और संपत्ति पर अधिकार के लिए न्यायिक हस्तक्षेप लेना पड़ा। कहीं बेटे को अदालत यह निर्देश दे रही है कि वह अपनी वृद्ध मां को घर में एक कमरा, अलग स्नानघर और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराए, तो कहीं दुर्व्यवहार करने वाली संतान को माता-पिता की संपत्ति से बेदखल करने के आदेश दिए जा रहे हैं। यह केवल कानूनी घटनाएँ नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक और नैतिक पतन की वे चेतावनियाँ हैं जो भविष्य के भारत की तस्वीर पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा रही हैं। वास्तव में यह अत्यंत विडंबनापूर्ण है कि जिस मां ने नौ महीने गर्भ में रखकर संतान को जीवन दिया, जिसने अपना रक्त, ममता और त्याग देकर उसे पाला, उसी मां को अपने ही घर में रहने के लिए न्यायालय की शरण लेनी पड़े। जिस पिता ने अपने पसीने और परिश्रम से घर बनाया, बच्चों का भविष्य संवारा, वृद्धावस्था में उसी घर में उसके अधिकार के लिए अदालत को हस्तक्षेप करना पड़े, यह स्थिति केवल व्यक्तिगत कृतघ्नता नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनाओं के क्षरण का प्रमाण है। यह प्रश्न इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज भारत विकसित भारत 2047 की दिशा में आगे बढ़ रहा है। आर्थिक विकास, डिजिटल क्रांति, स्मार्ट शहर, वैश्विक नेतृत्व और आत्मनिर्भरता की बातें हो रही हैं। लेकिन यदि घर के किसी कोने में बैठे वृद्ध माता-पिता अकेलेपन, उपेक्षा और अपमान का जीवन जी रहे हों, तो क्या यह विकास पूर्ण माना जा सकता है? यदि हमारे बुजुर्ग अपनी छोटी-छोटी आवश्यकताओं के लिए भी दूसरों पर निर्भर और उपेक्षित हो जाएँ, तो हमारी सारी उपलब्धियाँ खोखली प्रतीत होती हैं।

आज की सबसे बड़ी चुनौती केवल आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक निर्धनता की है। नई पीढ़ी का एक बड़ा वर्ग आत्मकेंद्रित होता जा रहा है। भौतिक उपलब्धियाँ, कैरियर, उपभोगवाद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अवधारणाएँ जीवन के केंद्र में आ गई हैं। संयुक्त परिवार टूट रहे हैं, रिश्तों की ऊष्मा कम हो रही है और संवाद का स्थान डिजिटल माध्यम ले रहे हैं। परिणामत: बुजुर्गों का जीवन अकेलेपन, अवसाद और असुरक्षा का पर्याय बनता जा रहा है। यह सच है कि महानगरीय जीवन की अपनी कठिनाइयाँ हैं। रोजगार, समयाभाव, आर्थिक दबाव और बदलती जीवनशैली ने नई पीढ़ी की चुनौतियाँ बढ़ाई हैं। लेकिन इन कठिनाइयों के बावजूद माता-पिता के प्रति दायित्व समाप्त नहीं हो सकते। भारतीय संस्कृति में माता-पिता की सेवा केवल सामाजिक परंपरा नहीं, बल्कि जीवन-मूल्य रही है। श्रवण कुमार का आदर्श केवल कथा नहीं, बल्कि भारतीय चेतना का हिस्सा है।

दुर्भाग्य यह है कि आज संपत्ति और स्वार्थ ने अनेक संबंधों को प्रभावित किया है। अखबारों में आए दिन ऐसे समाचार दिखाई देते हैं जिनमें संपत्ति के लिए माता-पिता को प्रताड़ित किया जाता है, घर से निकाला जाता है, मानसिक यातना दी जाती है या उनकी उपेक्षा की जाती है। अनेक वृद्धाश्रम ऐसे माता-पिता से भरे पड़े हैं जिनकी सबसे बड़ी गलती केवल यह थी कि उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी बच्चों के लिए समर्पित कर दी। यदि यह प्रवृत्ति यूँ ही बढ़ती रही तो भारत भी उस दिशा में बढ़ सकता है जहाँ पश्चिमी देशों की तरह माता-पिता और संतान के संबंध केवल कानूनी और औपचारिक होकर रह जाएँ। पश्चिमी समाज में अनेक माता-पिता प्रारंभ से ही बच्चों को आत्मनिर्भर बना देते हैं क्योंकि वे भविष्य में उनसे देखभाल की अपेक्षा नहीं रखते। लेकिन भारतीय समाज का आधार इससे भिन्न रहा है। यहाँ परिवार केवल जैविक इकाई नहीं, बल्कि भावनात्मक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संस्था रहा है। यह भी स्मरणीय है कि देश में वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 जैसे कानून बनाए गए हैं ताकि वृद्ध माता-पिता के अधिकारों की रक्षा हो सके। न्यायालयों ने अनेक अवसरों पर माता-पिता के संपत्ति अधिकारों को सुरक्षित रखा है और दुर्व्यवहार करने वाली संतानों के विरुद्ध कठोर टिप्पणियाँ भी की हैं। लेकिन कानून केवल सुरक्षा दे सकता है, संवेदना नहीं। अदालतें कमरे दिला सकती हैं, सम्मान नहीं, भरण-पोषण का आदेश दे सकती हैं, लेकिन ममता और अपनत्व नहीं लौटा सकतीं। यही कारण है कि समाधान केवल कानूनी नहीं, सामाजिक और सांस्कृतिक होना चाहिए। परिवारों में संस्कारों की पुनर्स्थापना आवश्यक है। बच्चों को केवल उच्च शिक्षा और आधुनिक सुविधाएँ देना पर्याप्त नहीं, बल्कि उन्हें मानवीय मूल्य भी देना होंगे। विद्यालयों, धार्मिक संस्थाओं और सामाजिक संगठनों को परिवार, सेवा, कृतज्ञता और बुजुर्ग सम्मान जैसे विषयों पर गंभीर पहल करनी चाहिए।

आज आवश्यकता है कि विकसित भारत 2047 की अवधारणा में वृद्ध सम्मान को भी एक महत्वपूर्ण सूचक बनाया जाए। जिस देश में बुजुर्ग सुरक्षित, सम्मानित और संतुष्ट होंगे, वही वास्तव में विकसित कहा जा सकेगा। हमें ऐसी नीतियाँ बनानी होंगी जिनमें वृद्धजन कल्याण, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और भावनात्मक सहयोग को प्राथमिकता मिले। साथ ही परिवारों को यह समझना होगा कि माता-पिता केवल जिम्मेदारी नहीं, हमारी जड़ें हैं। जिस वृक्ष की जड़ें सूख जाएँ, उसकी शाखाएँ अधिक समय तक हरी नहीं रह सकतीं। माता-पिता की उपेक्षा केवल एक व्यक्ति की नहीं, पूरी पीढ़ी की नैतिक पराजय है। यह भी विचारणीय है कि जो संतान आज अपने माता-पिता के साथ व्यवहार कर रही है, वही व्यवहार भविष्य में उसके हिस्से भी आ सकता है। बच्चे केवल उपदेश से नहीं, व्यवहार से सीखते हैं। यदि वे अपने माता-पिता को बुजुर्गों की उपेक्षा करते देखेंगे तो वही संस्कार आगे बढ़ेंगे।

आज आवश्यकता अदालतों के आदेशों से अधिक अंत:करण के जागरण की है। रिश्तों की मर्यादाएँ, गरिमा और दायित्व यदि न्यायालयों को समझाने पड़ें तो यह केवल कानूनी संकट नहीं, बल्कि सभ्यता का संकट है। यह समय आत्ममंथन का है कि क्या हम तकनीकी रूप से आधुनिक होते-होते मानवीय रूप से निर्धन होते जा रहे हैं? भारत की पहचान उसकी संवेदनशीलता रही है। यदि हम इस संवेदनशीलता को बचा सके, तभी विकसित भारत का स्वप्न सार्थक होगा। अन्यथा ऊँची उपलब्धियों और भव्य योजनाओं के बीच भी हमारे घरों के किसी कोने में बैठा एक उपेक्षित वृद्ध हमारी समस्त प्रगति पर मौन प्रश्नचिह्न बनकर खड़ा रहेगा। अंतत: याद रखना होगा-विरासत संपत्ति नहीं, संस्कार होते हैं, विकास इमारतों से नहीं, रिश्तों से मापा जाता है और वह समाज कभी महान नहीं कहलाता जहाँ माता-पिता को अपने अधिकार के लिए अदालतों में खड़ा होना पड़े।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026: दुनिया को सचेत उपभोग की ओर प्रेरित करना

प्रताव राव जाधव

आज जब दुनिया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 मना रही है, मानवता एक निर्णायक सभ्यतागत मोड़ पर खड़ी है। वर्तमान में हम अभूतपूर्व तकनीकी और भौतिक प्रगति के युग में जी रहे हैं, फिर भी हम जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों, बढ़ते मानसिक तनाव, पर्यावरणीय क्षरण और जीवन जीने के अस्थिर तरीकों जैसी चुनौतियों का सामना भी कर रहे हैं। इनमें से कई संकटों के मूल में एक ही चुनौती नज़र आती है- वस्तुओं का अनियंत्रित और बिना सोचे-समझे किया जाने वाला उपभोग। प्राकृतिक संसाधनों के ज़रुरत से ज्यादा दोहन से लेकर डिजिटल उपयोगिता पर अत्यधिक निर्भरता और अस्थिर जीवनशैली तक, आज आधुनिक समाज संतुलन से लगातार दूर होता जा रहा है। और इसी संदर्भ में, योग न केवल एक प्राचीन स्वास्थ्य अभ्यास के रूप में, बल्कि एक ज़िम्मेदार जीवन जीने के लिए एक कालातीत रूपरेखा के रूप में उभर कर सामने आता है। योग मानवता को आत्म-नियमन, संयम और सचेत विकल्पों की ओर एक शक्तिशाली मार्ग प्रदान करता है। यह हमें सिखाता है कि हम अपने भीतर और अपने आस-पास की दुनिया के साथ सामंजस्य कैसे स्थापित करें।

सोच समझकर वस्तुओं का उपभोग करने का आह्वान- अत्यधिक उपभोग की वैश्विक चुनौती से निपटने के लिए, हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व ने %मिशन लाइफ़स्टाइल फ़ॉर एनवायरनमेंट के ज़रिए एक सशक्त दिशा प्रदान की है। सीओपी26 में, प्रधानमंत्री ने एक ऐसे सिद्धांत को सामने रखा, जो योग के दर्शन से गहराई के साथ जुड़ा है: आज ज़रूरत है सचेत और सोच-समझकर उपयोग करने की, न कि बिना सोचे-समझे और विनाशकारी तरीके से उपभोग करने की।

हाल ही में, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और आपूर्ति-श्रृंखला में आई बाधाओं के बीच, प्रधानमंत्री ने इस अपील का विस्तार करते हुए इसे एक दैनिक नागरिक ज़िम्मेदारी का रूप दिया। उन्होंने नागरिकों को प्रोत्साहित किया कि वे जान-बूझकर ऐसे उपभोग को सीमित करें, जिनसे बचा जा सकता है, जैसे ईंधन बचाना, अनावश्यक ऊर्जा का उपयोग कम करना, और गैर-ज़रूरी खर्चों पर दोबारा विचार करना। यह अपील किसी चीज़ की कमी या अभाव पर आधारित नहीं है, बल्कि, यह सामूहिक सशक्तिकरण, निरंतरता और राष्ट्रीय ज़िम्मेदारी के लिए एक रणनीतिक और नैतिक आह्वान है। जैसा कि उन्होंने हमें याद दिलाया: हर छोटा-बड़ा प्रयास मायने रखता है, ठीक वैसे ही जैसे हर एक बूंद से घड़ा भरता है।

मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान सूची पर उठे सवाल : सांसद जांगड़े के गृहग्राम से 41 नाम, स्वेच्छानुदान या सिफारिश?, लोकसभा क्षेत्र में मचा राजनीतिक बवाल

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा 31 मार्च 2026 को जारी मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद की सूची को लेकर अब सवाल उठने लगे हैं। सूची में शामिल हितग्राहियों के चयन को लेकर पारदर्शिता और निष्पक्षता पर बहस तेज हो गई है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, सांसद कमलेश जांगड़े की अनुशंसा पर स्वीकृत 293 हितग्राहियों की सूची में अकेले उनके गृहग्राम मसानियाकला के 41 लोगों के नाम शामिल हैं। यह संख्या कुल सूची का लगभग 14 प्रतिशत बताई जा रही है, जबकि लोकसभा क्षेत्र में करीब 18 लाख 97 हजार से अधिक मतदाता हैं और क्षेत्र आठ विधानसभा क्षेत्रों में फैला हुआ है। स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि सूची में शामिल कई लोगों का उपनाम ÷जांगड़े÷ है। आरोप लगाए जा रहे हैं कि इनमें सांसद के रिश्तेदार, करीबी परिचित और पड़ोसी भी शामिल हैं। हालांकि इन आरोपों की अभी तक किसी स्वतंत्र एजेंसी द्वारा आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई

है। साथ ही यह भी सवाल उठाया जा रहा है कि सूची में कुछ ऐसे लोगों को भी सहायता राशि दिलवाई गई, जिन्हें स्थानीय स्तर पर आर्थिक रूप से सक्षम माना जाता है। मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान सूची को लेकर क्षेत्र में निम्नलिखित सवाल उठाए जा रहे हैं। लगभग 19 लाख मतदाताओं वाले लोकसभा क्षेत्र में केवल 293 लोगों का चयन किन मानदंडों के आधार पर किया गया?

आठ विधानसभा क्षेत्रों में से अधिकांश क्षेत्रों के लोगों को सूची में अपेक्षाकृत कम स्थान क्यों मिला?

मसानियाकला गांव के 41 लोगों का चयन किन आधारों पर हुआ?

क्या लाभार्थियों की पात्रता का स्वतंत्र सत्यापन कराया गया था?

क्या सांसद कार्यालय ने चयन प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता बरती?

यदि चयन निष्पक्ष था तो पूरे क्षेत्र में लाभार्थियों का संतुलित वितरण क्यों दिखाई नहीं देता? राजनीतिक विश्लेषकों और स्थानीय नागरिकों का कहना है कि एक ही गांव से असामान्य संख्या में नाम शामिल होना महज संयोग नहीं माना जा सकता। उनका मानना है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि लाभार्थियों का चयन किन मापदंडों के आधार पर किया गया। लोगों का कहना है कि यदि मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान जैसी सहायता योजनाओं में पारदर्शिता और समान अवसर सुनिश्चित नहीं किए गए, तो इससे सरकारी योजनाओं की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लग सकता है।

फिलहाल सांसद कार्यालय या संबंधित प्रशासनिक विभाग की ओर से इन आरोपों और सवालों पर कोई विस्तृत आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। ऐसे में क्षेत्र की जनता चयन प्रक्रिया से जुड़े तथ्यों को सार्वजनिक करने और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रही

चक्रधर नगर में रेलवे ओवरब्रिज निर्माण अधर में लटका, पुराने प्रस्तावों की फाइल विभागों में पेंडिंग, 90 करोड़ का था इस्टीमेट

रायगढ़/मूक पत्रिका

चक्रधर नगर में रेलवे ओवरब्रिज निर्माण अब प्राथमिकता सूची से हट चुका है। 2018 से सेतु विभाग ने कई बार इसकी ड्रॉइंग-डिजाइन बनाई लेकिन अब यह बजट से बाहर हो गया है। अक्टूबर 2024 में 90 करोड़ का इस्टीमेट बनाकर भेजा गया था, जो लैप्स हो गया। चक्रधर नगर रेलवे ओवरब्रिज की पुरानी ड्रॉइंग-डिजाइन पर कई लोगों ने आपत्ति जताई तो सेतु विभाग को नए सिरे से सर्वे का आदेश दिया गया। मानव रहित रेलवे क्रॉसिंग बनाना सरकार की प्राथमिकता है लेकिन चक्रधर नगर में आरओबी का विरोध हो रहा है। स्थानीय नेताओं ने राज्य सरकार तक आपत्ति भेजी है। पहले ओवरब्रिज की जगह अंडरब्रिज बनाने की मांग की गई थी। इससे पहले प्रोजेक्ट रिवाइज हो चुका है. 122 करोड़ से घटकर इस्टीमेट 90 करोड़ हो चुका है। अक्टूबर 2024 में इस्टीमेट शासन को भेजा गया था। वर्ष 24-25 के बजट में इसे शामिल किया गया है। पहले 2019 में सर्वे पूरा करने के बाद ड्राइंग-डिजाइन भी स्वीकृत हो चुका था। लेकिन प्रशासकीय स्वीकृति और तकनीकी स्वीकृति नहीं मिल सकी। प्रोजेक्ट को मंजूरी नहीं मिली तो बजट लैप्स हो गया। 2022 में एक बार फिर से मांग उठी। इसके बाद प्रोजेक्ट को बजट में शामिल किया गया है। निजी भूमि कम से कम ली गई तो इस्टीमेट घटकर 90 करोड़ हो गया। अब पता चला है कि कार्य लैप्स हो चुका है। वर्ष 25-26 की प्लानिंग में यह काम शामिल नहीं है।

बनाना ही पड़ेगा, तो फिर अब क्यों नहीं

दरअसल कोई भी आरओबी बनाकर स्थानीय व्यापारियों का विरोध नहीं झेलना चाहता। राजनीतिक रूप से इस प्रोजेक्ट को रोका गया है। चक्रधर नगर आरओबी के लिए 2018 में ही ड्रॉइंग डिजाइन फाइनल किया गया था। तब करीब 122 करोड़ का इस्टीमेट बनाया गया था। वाय शेप में बनने वाले इस आरओबी को मंजूरी नहीं मिली। इसका एक सिरा कमला नेहरू गार्डन के आगे, दूसरा बोईरदादर रोड दुर्गा चौक पर और तीसरा सिरा डीएफओ ऑफिस के पास उतरेगा। लोकेशन बदलने पर भी विचार हुआ लेकिन कंसल्टेंसी कंपनी ने कोई विकल्प नहीं दिया है। भविष्य में यहां आरओबी बनाने की जरूरत होगी। तब लागत कई गुना बढ़ जाएगी।

गोरखपाली बहू चर्चित कोटवार हत्या कांड का फरार आरोपी गिरफ्तार

सक्ती/मूक पत्रिका

मामले कुछ इस प्रकार है कि प्रार्थी थाना में रिपोर्ट दर्ज कराया गया था की दिनांक 04.03.2026 के सुबह वह बस्ती तरफ़ से अपने खेत के बोर के पास जा रहा था , डबरी तालाब के पास करीबन 11:00 बजे लगभग आनंद राम कुर्रे और कोटवार रथ राम गोंड वहीं पास में था उसी समय सुकदेव कुर्रे एवं 02 विधि से संघर्षरत बालक के द्वारा हाथ में लकड़ी का बल्ली, कांड. लेकर आए और पुरानी रंजिश की बात को लेकर आनंद राम कुर्रे के साथ मिलकर एक राय होकर माँ, बहन की गंदी गंदी गाली देते हुए लकड़ी का बल्ली और कांड. से प्राण घातक हमला करते मारपीट कर हत्या कर दिए है, प्रार्थी की रिपोर्ट पर उपरोक्त अपराध धारा पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में आरोपी आनंद राम कुर्रे जो मालखरौदा के एक कमरा छुपा था को दिनांक 08.03.2025 को एवं 02 विधि से संघर्षरत बालकों को दिनांक 09.05.2026 विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड में भेजा गया है 7 मामले में एक आरोपी सुकदेव कुर्रे फरार हो गया था। हत्या जैसे गंभीर अपराध का होने से पुलिस अधीक्षक महोदय प्रफुल्ल ठाकुर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय, पंकज पटेल एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) सक्ति, डॉ. भुवनेश्वरी पैंकरा के द्वारा आरोपी को तत्काल गिरफ्तार करने का निर्देश दिया गया जिसके परिपालन में आरोपी की सतत पतासाजी की जा रही थी कि आरोपी सुकदेव कुर्रे को ग्राम गोरखापाली में घेराबंदी कर पकड़ कर हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर उपरोक्त अपराध धारा अपने परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर घटित करना स्वीकार किया जिस पर आरोपी को दिनांक 30.05.2026 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया द्य उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक प्रवीण राजपूत के मार्गदर्शन में स. उ.नि. आदित्य प्रताप सिंह , प्र.आर. दामोदर जयसवाल, पुष्पेंद्र कंवर, आरक्षक सेतराम पटेल का सराहनीय योगदान रहा।

नाम आरोपी-सुकदेव उर्फ कालु

आंधी, बारिश और बिजली गिरने का खतरा, लाखों मोबाइल पर पहुंचा इमरजेंसी संदेश

मोबाइल पर गूंजा इमरजेंसी सायरन, लोगों में मची हलचल

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

शनिवार शाम अचानक हजारों लोगों के मोबाइल फोन पर तेज सायरन के साथ 'E&tremely Severe Alert' संदेश आने से लोगों में कुछ देर के लिए दहशत और भ्रम की स्थिति बन गई। मोबाइल स्क्रीन पर जारी चेतावनी में जांजगीर-चांपा, महासमुंद, रायगढ़, शक्ति, सारंगढ़ और बिलाईगढ़ जिलों में अगले तीन घंटों के भीतर बिजली गिरने, तेज आंधी, तेज हवाएं और बारिश होने की प्रबल संभावना जताई गई। अचानक बजने वाले इस अलर्ट सायरन ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। कई लोगों ने इसे पहले कभी नहीं देखा था, जिसके कारण उन्होंने एक-दूसरे से जानकारी लेना शुरू कर दिया। सोशल मीडिया पर भी अलर्ट के स्क्रीनशॉट तेजी से वायरल होने लगे। मौसम संबंधी यह चेतावनी राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एवं मौसम विभाग की आपदा पूर्व चेतावनी प्रणाली के माध्यम से भेजी गई है। इसका उद्देश्य संभावित प्राकृतिक आपदा से पहले लोगों को सतर्क करना और जान-माल के नुकसान को कम करना है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान खुले मैदान, पेड़ों और बिजली के खंभों से दूर रहें तथा अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलें। विशेष रूप से किसानों और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

खाद की कालाबाजारी व अधिक कीमत पर बिक्री करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले खाद, बीज एवं कीटनाशक उपलब्ध कराना प्राथमिकता

मेसर्स सूर्य ट्रेडर्स, ग्राम कांशीगढ़ (विकासखंड जैजैपुर), देवांगन कृषि केंद्र रायपुरा तथा महमाया ट्रेडर्स रायपुरा के विक्रय स्थल एवं गोदाम का औचक निरीक्षण किया गया।

सक्ती/मूक पत्रिका

कलेक्टर अमृत विकास तोपनो के निर्देश पर किसानों को उच्च गुणवत्ता युक्त खाद एवं कीटनाशक उपलब्ध कराने तथा जिले में नकली खाद निर्माण, खाद की कालाबाजारी एवं निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत पर बिक्री करने वाले व्यापारियों पर रोक लगाने के उद्देश्य से जिला एवं विकासखंड स्तरीय टीम द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में मेसर्स सूर्य ट्रेडर्स, ग्राम कांशीगढ़ (विकासखंड जैजैपुर), देवांगन कृषि केंद्र रायपुरा तथा महमाया ट्रेडर्स रायपुरा के विक्रय स्थल एवं गोदाम का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान फर्म संचालकों द्वारा अनियमितता पाए जाने पर संबंधित संस्थानों को जसी एवं स्पष्टीकरण जारी किया गया। कृषि विभाग के उप संचालक तरुण कुमार प्रधान के मार्गदर्शन में जिला नोडल अधिकारी सुमान सिंह पैकरा, तहसीलदार जैजैपुर विद्याभूषण साव, उर्वरक निरीक्षक श्कृष्णा सिंह पैकरा एवं भरतलाल प्रधान द्वारा निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान कांशीगढ़ स्थित मेसर्स सूर्य ट्रेडर्स के उर्वरक विक्रय लाइसेंस में दर्ज गोदाम के बजाय संचालक के निवास स्थल पर अवैध रूप से एसएसपी की 622 बोरी एवं डीएपी की 10 बोरी उर्वरक का भंडारण पाया गया। अवैध रूप से भंडारित उक्त उर्वरक को तत्काल जब्त कर उसके विक्रय पर प्रतिबंध लगा दिया गया। वहीं देवांगन कृषि केंद्र रायपुरा द्वारा स्कंध पंजी का संधारण नहीं किए जाने तथा किसानों को जारी किए जाने वाले बिलों में हस्ताक्षर नहीं पाए जाने पर स्पष्टीकरण जारी किया गया। इसी प्रकार महमाया ट्रेडर्स रायपुरा में भी अनियमितता पाए जाने पर संबंधित फर्म को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। उप संचालक कृषि श्री तरुण कुमार प्रधान ने बताया कि किसानों को उचित मूल्य पर गुणवत्तायुक्त खाद, बीज एवं कीटनाशक उपलब्ध कराने के लिए विकासखंडों में कार्यरत उर्वरक एवं कीटनाशी निरीक्षकों को निजी व्यापारियों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि किसानों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

कोसीर बाँधा तालाब में शनि मंदिर की स्थापना, श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल

कोसीर/मूक पत्रिका

आस्था और श्रद्धा से जुड़ी भावनाओं को साकार करते हुए कोसीर के बाँधा तालाब परिसर में शनिवार को विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान शनिदेव की प्रतिमा की स्थापना की गई। इस अवसर पर क्षेत्र के श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला और बड़ी संख्या में लोगों ने पूजा-अर्चना कर सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। बताया जा रहा है कि बाँधा तालाब के किनारे शनिदेव मंदिर निर्माण एवं प्रतिमा स्थापना की मांग लंबे समय से की जा रही थी। स्थानीय श्रद्धालुओं और धर्मप्रेमी नागरिकों के सहयोग से यह मांग अब पूरी हो गई है, जिससे क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है। विशेष रूप से कुशलई मंदिर पारा की सक्रिय महिलाएं धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों में हमेशा अग्रणी भूमिका निभाती रही हैं। चाहे कुशलई मंदिर की भव्य महाआरती हो या सावन माह में आयोजित बोल बम यात्रा, महिलाएं हर आयोजन में बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाती हैं। इसी धार्मिक उत्साह और समर्पण के चलते महिलाओं एवं श्रद्धालुओं के सहयोग से बाँधा तालाब के किनारे शनिदेव मंदिर का निर्माण कराया गया और विधिवत प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न की गई। स्थापना समारोह के दौरान भजन-कीर्तन, पूजा-पाठ एवं धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने शनिदेव के दर्शन कर अपने परिवार की सुख-समृद्धि और क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। ग्रामीणों का मानना है कि मंदिर की स्थापना से क्षेत्र में धार्मिक वातावरण को और मजबूती मिलेगी तथा श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना के लिए एक नया आध्यात्मिक केंद्र प्राप्त होगा। पूरे आयोजन के दौरान भक्तिमय माहौल बना रहा और ÷जय शनिदेव÷ के जयकारों से वातावरण गूंज उठा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय होंगे मुख्य अतिथि, विधायक दीपेश साहू भी सामूहिक विवाह में लेंगे सात फेरे

बेमेतरा कल रचेगा सामाजिक समरसता का इतिहास, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना का भव्य आयोजन

सर्व समाज की अभूतपूर्व भागीदारी, छत्तीसगढ़ी संस्कृति और अतिथि, सत्कार की अनोखी मिसाल बनेगा आयोजन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बेमेतरा जिला सामाजिक समरसता, जनभागीदारी, सादगी और छत्तीसगढ़ी संस्कृति के एक ऐतिहासिक उत्सव का साक्षी बनने जा रहा है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत बेसिक स्कूल मैदान में आयोजित होने वाला सामूहिक विवाह समारोह पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणा का केंद्र बनने जा रहा है। कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान करेंगे। इस आयोजन की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि बेमेतरा विधायक दीपेश साहू भी इसी सामूहिक विवाह समारोह में अन्य जोड़ों के साथ सात फेरे लेकर सामाजिक समानता, सादगी और जनसरोकारों का संदेश देंगे। जनप्रतिनिधि के रूप में उनका यह निर्णय

प्रदेशभर में चर्चा का विषय बना हुआ है तथा आमजन के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र बना है।

सर्व समाज ने संभाली मेहमाननवाजी की कमान-मुख्यमंत्री कन्या विवाह समारोह को जनउत्सव का स्वरूप देने के लिए बेमेतरा के सर्व समाज ने अभूतपूर्व एकजुटता का परिचय दिया है। भीषण गर्मी को देखते हुए विभिन्न समाजों एवं सामाजिक संगठनों ने अपने स्तर पर आगंतुकों एवं अतिथियों के लिए सेवा शिविर और खाद्य सामग्री की व्यवस्था की है। साहू समाज द्वारा करी लड्डू एवं खिचड़ी, निषाद समाज द्वारा मुर्रा लड्डू, वर्मा समाज द्वारा तीली लड्डू, सतनामी समाज द्वारा हलवा-पूरी, यादव समाज द्वारा चाय, सेन समाज द्वारा चना-मुर्रा, आदिवासी समाज द्वारा पेयजल, चौहान समाज द्वारा शरबत, ब्राह्मण समाज द्वारा पॉपकॉर्न, निर्मलकर एवं धोबी समाज द्वारा पानी पाउच, नेहाल सुपर बाजार द्वारा बेल, सिंधी समाज द्वारा शरबत, देवांगन समाज द्वारा चुस्की, सिन्हा समाज द्वारा कोल्ड ड्रिंक, नामदेव समाज द्वारा शरबत, पंजाबी समाज द्वारा रुवाबजा , माहेश्वरी समाज द्वारा फूड सामग्री एवं जलेबी, प्रॉपर्टी डीलर्स एसोसिएशन द्वारा गन्ना रस, पाटील समाज द्वारा ककड़ी एवं खीरा, गुप्ता समाज द्वारा बिस्किट तथा किसान समिति बेमेतरा द्वारा छाछ एवं लस्सी की व्यवस्था की गई है। सर्व समाज की यह सहभागिता केवल सेवा नहीं, बल्कि बेमेतरा की सामाजिक एकता, आपसी सद्भाव और सामूहिक जिम्मेदारी की जीवंत तस्वीर प्रस्तुत करेगी।

छत्तीसगढ़ी संस्कृति और लोकपरंपरा की दिखेगी झलक-कार्यक्रम स्थल पर छत्तीसगढ़ी संस्कृति, लोक परंपराओं और अतिथि सत्कार की समृद्ध विरासत का विशेष प्रदर्शन किया जाएगा। भोजन व्यवस्था में स्थानीय एवं पारंपरिक छत्तीसगढ़ी व्यंजनों को प्राथमिकता दी गई है। साथ ही भोजन व्यवस्था मे थाली की बयाज पत्तल मे भोजन करेंगे द्य अतिथियों को लाल भाजी, मुनगा बड़ी भजिया, लौकी-चना दाल, आलू भुजिया, करी-पनीर, पूरी, उड़द बड़ा, खीर, विभिन्न प्रकार के अचार, चटनियां एवं पारंपरिक मिठाइयों सहित छत्तीसगढ़ी स्वाद से भरपूर व्यंजन परोसे जाएंगे।

सीएम साय जमीन में बैठकर नव विवाहित जोड़ों के साथ करेंगे सामूहिक सहभोज-भारतीय संस्कृति की आत्मीय परंपरा को आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, नवविवाहित जोड़े, जनप्रतिनिधि, मंत्रीगण एवं अन्य अतिथि भूमि पर बैठकर सामूहिक सहभोज करेंगे। यह दृश्य सामाजिक समानता, आत्मीयता, भाईचारे और लोकसंस्कृति के सम्मान का अनूठा संदेश देगा।

24 जोड़ों के जीवन में नई शुरुआत-मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत 24 नवयुगल वैवाहिक जीवन की नई शुरुआत करेंगे। यह आयोजन केवल विवाह संस्कार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सामाजिक समरसता, सामूहिक सहभागिता, महिला सम्मान, सादगीपूर्ण जीवनशैली और सांस्कृतिक गौरव का संदेश भी पूरे प्रदेश में प्रसारित करेगा।

व्यापक तैयारियां पूर्ण-जिला प्रशासन द्वारा कार्यक्रम को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं यादगार बनाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। मंच, बैठक व्यवस्था, पेयजल, स्वास्थ्य सुविधा, विद्युत व्यवस्था, पार्किंग, यातायात प्रबंधन एवं भोजन व्यवस्था सहित सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा चुका है।बेमेतरा का यह आयोजन निश्चित रूप से छत्तीसगढ़ में सामाजिक समरसता, जनभागीदारी और सांस्कृतिक गौरव का एक नया अध्याय लिखेगा, जिसकी चर्चा लंबे समय तक पूरे प्रदेश में होती रहेगी।खाद की कालाबाजारी व अधिक कीमत पर बिक्री करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले खाद, बीज एवं कीटनाशक उपलब्ध कराना प्राथमिकता-मेसर्स सूर्य ट्रेडर्स, ग्राम कांशीगढ़ (विकासखंड जैजैपुर), देवांगन कृषि केंद्र रायपुरा तथा महमाया ट्रेडर्स रायपुरा के विक्रय स्थल एवं गोदाम का औचक निरीक्षण किया गया। सक्ती, 30 मई 2026// कलेक्टर अमृत विकास तोपनो के निर्देश पर किसानों को उच्च गुणवत्ता युक्त खाद एवं कीटनाशक उपलब्ध कराने तथा जिले में नकली खाद निर्माण, खाद की कालाबाजारी एवं निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत पर बिक्री करने वाले व्यापारियों पर रोक लगाने के उद्देश्य से जिला एवं विकासखंड स्तरीय टीम द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है।

डीजल में आइसोब्यूटेन मिलाना अनिवार्य होगा', बोले ट्रांसपोर्ट सचिव

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के सचिव वी उमाशंकर ने बताया कि भारत 2026 में डीजल में आइसोब्यूटेन मिश्रण अनिवार्य कर सकता है। इससे ऊर्जा सुरक्षा बढ़ेगी और सड़क क्षेत्र का कार्बन उत्सर्जन कम होगा। मंत्रालय इलेक्ट्रिक वाहनों, हाइड्रोजन ईंधन और टोल प्रणाली में भी बड़े बदलाव ला रहा है।

उमाशंकर ने कहा कि भारत पेट्रोलियम पहले से ही डीजल में आइसोब्यूटेन मिश्रण पर शोध कर रहा है। इसके परिणाम बहुत उत्साहजनक हैं। डीजल की खपत पेट्रोल से लगभग दोगुनी है। इसलिए डीजल मिश्रण का ऊर्जा सुरक्षा पर बड़ा प्रभाव पड़ेगा। मंत्रालय ने ई85 और ई100 वाहनों के निर्माण के लिए मसौदा अधिसूचना जारी की है। ई85 में 85 फीसदी इथेनॉल होता है, जबकि ई100 लगभग शुद्ध इथेनॉल पर चलने वाले वाहन हैं। इन वाहनों के लिए पेट्रोल पंपों पर अलग डिस्पेंसर होंगे। भारत पहले ही पेट्रोल में 20 फीसदी इथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य हासिल कर चुका है।

इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा

मंत्रालय जल्द ही ट्रक-ट्रेलर अदला-बदली पर मसौदा अधिसूचना ला सकता है। यह इलेक्ट्रिक भारी वाणिज्यिक वाहनों के लिए बैटरी अदला-बदली और चार्जिंग की जरूरत को पूरा करेगा। बैटरी अदला-बदली के लिए कई स्थानों पर बुनियादी ढांचा चाहिए। चार्जिंग में काफी समय लगता है,

जिससे ट्रक निष्क्रिय रह सकता है। ट्रैक्टर-ट्रेलर अदला-बदली से इस समस्या का समाधान होगा।

हाइड्रोजन ईंधन और टोल प्रणाली में सुधार

सरकार के हाइड्रोजन लॉजिस्टिक्स प्रयोगों के परिणाम बहुत अच्छे हैं। इसकी लागत अन्य परिवहन माध्यमों के बराबर है। हाइड्रोजन रिफ्यूलिंग स्टेशन ही एकमात्र महंगा तत्व है। प्रायोगिक परियोजनाओं में सरकार सहायता दे रही है। हाल ही में दिल्ली, दिल्ली-फरीदाबाद और दिल्ली-नोएडा के बीच हाइड्रोजन बसें शुरू की गई हैं। एक बार ईंधन भरने पर ये बसें 450 किलोमीटर चलती हैं। दिल्ली-मुंबई गलियारे पर लगभग तीन रिफ्यूलिंग स्टेशनों की आवश्यकता होगी।

टोल और यातायात प्रबंधन में नवाचार

मल्टी-लेन फ्री फ्लो (एमएलएफएफ) टोल प्रणाली 2027 में शुरू होने की संभावना है, जो वाहनों को बिना रुके टोल प्लाजा पार करने देगी। यह प्रणाली पहले ही दो टोल प्लाजा पर सफल रही है, और तीसरा जून 2026 के पहले सप्ताह में शुरू होगा। मंत्रालय 2027 तक इसे देश भर के सभी चार-लेन से अधिक टोल प्लाजा पर लागू करेगा। दिल्ली एनसीआर के लिए उन्नत यातायात प्रबंधन प्रणाली का प्रस्ताव स्वीकृत हुआ है, जिसका कार्यान्वयन जल्द होगा। मंत्रालय एक्सप्रेसवे पर धीमी और तेज गति वाले यातायात को अलग कर वाहनों की औसत गति बढ़ाएगा।

भू-राजनीतिक सुलह के संकेतों से शेयर बाजार में उछाल

सेंसेक्स में 100 अंकों की तेजी, निफ्टी 23,900 के पार

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार की सुबह जोरदार तेजी देखने को मिली, जिसका मुख्य कारण अमेरिका और ईरान के बीच संभावित शांति समझौते के संकेत थे। निवेशकों की सकारात्मक धारणा के चलते सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांकों ने मजबूत शुरुआत की। शुरुआती कारोबार में निफ्टी50 ने 0.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,957.75 का स्तर छुआ, जबकि बीएसई सेंसेक्स 0.29 प्रतिशत बढ़कर 76,087.75 पर पहुंच गया। ब्रॉडर मार्केट में भी उत्साह का माहौल रहा। बाजार के शुरुआती कारोबार में निफ्टी50 ने 36.90 अंकों की बढ़त के साथ 23,957.75 पर कारोबार किया, वहीं सेंसेक्स 219.95 अंक बढ़कर 76,087.75 के स्तर पर पहुंचा। इस तेजी में मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों का भी अहम योगदान रहा। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.19 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.37 प्रतिशत की उछाल दर्ज की गई, जो बाजार की व्यापक भागीदारी को दर्शाता है। सेक्टरवार प्रदर्शन पर नजर डालें तो सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) शेयरों ने सबसे अधिक चमक बिखेरी। निफ्टी आईटी इंडेक्स में लगभग 3 प्रतिशत की जोरदार बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिससे यह टॉप गेनर बन गया। इसके अलावा, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी फार्मा इंडेक्स में भी अच्छी खरीदारी देखने को मिली। हालांकि, निफ्टी मेटल, निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी केमिकल जैसे कुछ सेक्टरों में कमजोरी बनी रही और वे दबाव में कारोबार करते दिखे। बाजार में इस सकारात्मक रुझान के पीछे अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते कूटनीतिक प्रयास हैं। गौरतलब है कि हाल ही में ईरान द्वारा अज्ञात ठिकानों पर मिसाइल हमले और कुवैत में बैलिस्टिक मिसाइलों तथा होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास ड्रोन हमलों की खबरें भी सामने आई थीं, जो क्षेत्र में अंतर्निहित तनाव को रेखांकित करती हैं। इसके बावजूद, शांति समझौते की उम्मीदों ने फिलहाल निवेशकों के आत्मविश्वास को बल दिया है।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 1,092, निफ्टी 359 अंक गिरा

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को भारी गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों के कारण बिकवाली हावी रहने से आई है। आज सुबह भारतीय बजार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई पर अमेरिका-ईरान समझौते को लेकर संशय पनपने से बाजार नीचे आने लगा। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स कारोबार के अंत में 1,092.06 अंक टूटकर 74,775.74 पर पहुंच गया जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 359.40 अंक टूटकर 23,547.75 पर आ गया। आज कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 76,220.02 तक पहुंचा। वहीं निफ्टी 24,002.80 तक उछला। व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 1.33 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.85 फीसदी की गिरावट रही।

वहीं क्षेत्रवार देखें तो, निफ्टी ऑयल एंड गैस में 2.47 फीसदी की गिरावट, निफ्टी मेटल में 2.02 फीसदी की गिरावट और निफ्टी वित्तीय सेवाओं में 2.02 फीसदी की गिरावट रही। इसके अलावा, निफ्टी ऑटो, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी फार्मा, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में 1 फीसदी से ज्यादा की गिरावट रही। वहीं निफ्टी आईटी इंडेक्स में 0.60 फीसदी की बढ़त रही। आज एचसीएल टेक, विप्रो, नेस्ले इंडिया और एलएंडटी के शेयरों में 1 फीसदी से ज्यादा की तेजी रही। वहीं इंडिगो, ओएनजीसी, मैक्सहेल्थ, आयशर मोटर के के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही। आज बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण पिछले सत्र के लगभग 471 लाख करोड़ रुपए से गिरकर करीब 465 लाख करोड़ रुपए रह गया। इससे एक ही सत्र में निवेशकों को करीब 6 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। वहीं इससे पहले आज सुबह घरेलू बाजर तेजी के साथ खुला। शुरुआती कारोबार में निफ्टी बढ़त के साथ 23,957.75 पहुंचा जबकि बीएसई सेंसेक्स 76,087.75 पर पहुंच गया। सुबह कारोबार में निफ्टी5 36.90 अंकों की बढ़त के साथ 23,957.75 पर कारोबार किया, वहीं सेंसेक्स 219.95 अंक बढ़कर 76,087.75 के स्तर पर पहुंचा।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया शुरुआती कारोबार में 67 पैसे की बढ़त के साथ ही 94.91 पर बंद हुआ। आज सुबह भारतीय रुपया पांच पैसे मजूबत होकर 95.53 पर खुला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.77 पर खुला और शुरुआती कारोबार में बढ़त बनाते हुए 95.53 तक पहुंच गया, जो इसके पिछले बंद भाव से पांच पैसे की मजबूती दर्शाता है। डॉलर के मुकाबले शुरुआती कारोबार में रुपया 95.78 तक भी गया। रुपया बुधवार को 12 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.58 पर बंद हुआ था। ईद-उल-अजहा के अवसर पर गुरुवार को घरेलू शेयर और विदेशी मुद्रा बाजार बंद थे। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 फीसदी की बढ़त के साथ 99.09 पर रहा।

क्या रिजर्व बैंक ला रहा है प्लास्टिक के नोट जानिए मैसूर प्रिंटिंग प्रेस में हुए परीक्षण का पूरा सच

नईदिल्ली। सच्चाई यह है कि आरबीआई ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में नोटों के सुरक्षा मानकों के आधुनिकीकरण की बात तो की है, पर प्लास्टिक या पॉलिमर के नोट छापने जैसी कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी है। हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक नोट मुद्रण प्राइवेट लिमिटेड (बीआरबीएनएमपीएल) बैंक नोटों के डिजाइन, मुद्रण और आपूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। बीते वर्ष के दौरान, बीआरबीएनएमपीएल के मैसूर प्रिंटिंग प्रेस में 'वार्निश किए गए नोटों' को छापने का सफल परीक्षण किया गया है। आइए सवाल-जवाब के जरिए समझते हैं कि नए नोटों की छपाई से जुड़ी असल सच्चाई क्या है, बाजार में फिलहाल कौन सी करेंसी सबसे ज्यादा चल रही है और देश की अर्थव्यवस्था को लेकर रिजर्व बैंक का ताजा रुख क्या है।

सवालः क्या सच में आरबीआई आने वाले समय में प्लास्टिक के नोट जारी करने वाला है?

जवाबः नहीं, फिलहाल सीधे तौर पर प्लास्टिक के नोट लाने की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। आरबीआई की ओर से जल्द ही प्लास्टिक के नोट छापने की जो खबरें चल रही हैं, उनकी सच्चाई इससे थोड़ी अलग है। आरबीआई ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में करेंसी के आधुनिकीकरण का जिक्र जरूर किया है, लेकिन प्लास्टिक या पॉलिमर के नोट छापने को लेकर कोई स्पष्ट बयान नहीं दिया है। हालांकि, नोटों की उम्र और उनकी ड्यूरेबिलिटी (टिकाऊपन) बढ़ाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक नोट मुद्रण प्राइवेट लिमिटेड के मैसूर स्थित प्रिंटिंग प्रेस में वार्निश किए गए नोटों की छपाई का परीक्षण किया गया है। वार्निश कोटिंग से नोट जल्दी गंदे नहीं होते और उनकी लाइफ बढ़ जाती है। वार्निश किए गए नोट सामान्य कागजी नोट ही होते हैं, पर उनपर एक विशेष सुरक्षात्मक वार्निश की परत चढ़ाई जाती है। यह कोटिंग नोटों को पानी, धूल और तेल से बचाती है।

सेगमेंट में पहली बार निसान ग्रेवाइट सीएनजी ने ट्विन-सिलेंडर रेट्रोफिटमेंट किट के साथ रखा कदम

16 राज्यों के 60 शहरों में उपलब्ध कराई जा रही है किट

गुरुग्राम।

निसान मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एनएमआईपीएल) ने आज ऑल-न्यू निसान ग्रेवाइट के लिए सरकार द्वारा प्रमाणित सीएनजी रेट्रोफिटमेंट किट लॉन्च करने का एलान किया। सेगमेंट में पहली बार स्मार्ट ट्विन-सिलेंडर टेक्नोलॉजी पेश की गई है, जिससे 7-सीटर मॉड्यूलैरिटी और यूजएबिलिटी दोनों बनाए रखने में मदद मिलेगी। इसे 16 राज्यों में 82,999 रुपये की शुरुआती कीमत पर उपलब्ध कराया जा रहा है। ग्रेवाइट सीएनजी को इस तरह से डिजाइन किया गया है, जिससे ग्राहकों को ज्यादा स्मार्ट, ज्यादा किफायती और पर्यावरण के दृष्टिकोण से ज्यादा बेहतर समाधान मिलेगा। साथ ही इस किट के लगने के बाद भी तीसरी पंक्ति में पर्याप्त जगह रहेगी, जिससे कम्फर्ट और रोजाना की गतिविधियों की व्यावहारिकता बनी रहेगी।

व्यावहारिक और भविष्य को ध्यान में रखकर तैयार ग्रेवाइट सीएनजी में 'स्मार्ट पावर को स्मार्ट सेविंग्स' के साथ मिलाया गया है, जिससे बेहतरीन मॉड्यूलैरिटी, कम्फर्ट और रोजाना की गतिविधियों को बनाए रखने के साथ-साथ प्रति किलोमीटर पर कम खर्च होगा। सरकार द्वारा प्रमाणित इस सीएनजी किट को डेवलप करने, मैन्यूफैक्चर करने और क्वालिटी एश्योरेंस की जिम्मेदारी मोटोजेन ने संभाली है। निसान एंड इन्फिनिटी के डिवीजनल वाइस प्रेसिडेंट एवं मिडल ईस्ट, केएसए, सीआईएस व भारत के प्रेसिडेंट श्री थियरी सबाग ने कहा, 'भारत निसान के लिए लगातार रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बाजार बना हुआ है और हम यहां ग्राहकों की बदलती जरूरतों के अनुरूप प्रासंगिक, सुगम और भविष्य के लिए तैयार मोबिलिटी सॉल्यूशंस एवं प्रोडक्ट उपलब्ध कराने पर फोकस कर रहे हैं। ऑल-न्यू निसान ग्रेवाइट के साथ सीएनजी विकल्प की पेशकश इस दिशा में उल्लेखनीय कदम है।

निसान मोटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर सौरभ वत्स ने कहा, 'मैग्नाइट सीएनजी को लेकर ग्राहकों की तरफ से बेहतर सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलने के बाद अब ऑल-न्यू निसान ग्रेवाइट के लिए सेगमेंट में पहली बार ट्विन-सिलेंडर सॉल्यूशन पेश करने की हमें खुशी है। इसे ऐसे ग्राहकों के लिए डिजाइन किया गया है, जो रोजाना की पारिवारिक जरूरतों के लिए 7-सीटर एमपीवी के साथ व्यावहारिकता, लचीलापन और सहूलियत चाहते हैं। सरकार द्वारा प्रमाणित सीएनजी रेट्रोफिटमेंट किट के माध्यम से हम एक ऐसा समाधान दे रहे हैं, जो न केवल किफायती है, बल्कि स्मार्ट ट्विन-सिलेंडर सेटअप के जरिये 7-सीटर की पूरी फ्लेक्सिबिलिटी, मॉड्यूलैरिटी और क्षमता का भी लाभ मिलता है। इससे रोजाना के प्रयोग में स्पेस की कोई कमी नहीं महसूस होती।

पांच पैसे मजबूत होकर रुपया डॉलर के मुकाबले 95.53 पर पहुंचा

मुंबई । रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में पांच पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.53 पर पहुंच गया। अमेरिका और ईरान के बीच संघर्षविराम को 60 दिन और बढ़ाने पर सहमति बनने के बाद घरेलू मुद्रा को थोड़ा समर्थन मिला है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि इस समझौते से होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिये व्यापार सुचारू रूप से जारी रहने की उम्मीद है। साथ ही दोनों देश ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर वार्ता भी जारी रखेंगे। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.77 पर खुला और शुरुआती कारोबार में बढ़त बनाते हुए 95.53 तक पहुंच गया, जो इसके पिछले बंद भाव से पांच पैसे की मजबूती दर्शाता है। डॉलर के मुकाबले शुरुआती कारोबार में रुपया 95.78 तक भी गया। रुपया बुधवार को 12 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.58 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99.09 पर रहा।

ब्लेंडर्स प्राइड पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर ने पेश किया 'रिज़र्व्ड एक्सपीरियंसेज़'

जयपुर।

ब्लेंडर्स प्राइड पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटरने 'ब्लेंडर्स प्राइड रिज़र्व्ड एक्सपीरियंसेज़' नामक एक नएसांस्कृतिक मंच की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य फ्लेवरको केवल स्वाद तक सीमित न रखते हुए उसे सभी इंद्रियोंसे महसूस किए जाने वाले अनुभव में बदलना है। ऐसे समय में जब उपभोक्ता अधिक अर्थपूर्ण और प्रीमियमअनुभवों की ओर आकर्षित हो रहे हैं, जो उनकी बदलतीपसंद और जीवनशैली को दर्शाते हैं, 'ब्लेंडर्स प्राइड रिजर्व्डएक्सपीरियंसेज़' इसी बदलाव को ध्यान में रखते हुए फ्लेवरको एक नई अभिव्यक्ति के रूप में प्रस्तुत करता है। 'रिजर्व्ड इन एवरी सेंस' की अवधारणा पर आधारित यह मंचफ्लेवर को एक बहुआयामी यात्रा के रूप में प्रस्तुत करता है– जिसे केवल चखा ही नहीं, बल्कि देखा, सुना, महसूस औरअनुभव भी किया जा सकता है। शेफ कुणाल कपूर के साथ मिलकर तैयार किए गए इसविशेष अनुभव में एक निजी और एक्सक्लूसिव प्रस्तुति दीगई। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण एक लाइव गैस्ट्रो-परफॉर्मेंसथा, जिसमें संगीत और फ्लेवर को रियल टाइम में एक साथप्रस्तुत किया गया। इसमें टेक्सचर, खुशबू और संगीत कीलय को जोड़कर एक अनोखा बहु-इंद्रिय अनुभव तैयार कियागया। इस आयोजन की खास बात यह रही कि फ्लेवर को केवलस्वाद तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि उसे विभिन्नइमर्सिव स्पेस के जरिए अलग-अलग रूपों में प्रस्तुत किया गया।

शेफ कुणाल कपूर ने कहा, अपने वास्तविक स्वरूप में फ्लेवर कई परतों और अनुभवोंसे बना होता है। 'रिज़र्व्ड एक्सपीरियंसेज़' के जरिए हमनेफ्लेवर को प्लेट से आगे ले जाकर अलग-अलग रूपों में प्रस्तुत किया है, ताकि लोग इसे अधिक गहराई और नएअंदाज में महसूस कर सकें।

पर्नोड रिकार्ड इंडिया की सीएमओ देबाश्री दासगुप्ता ने कहा, आज के उपभोक्ता ऐसे अनुभवों की तलाश में हैं, जो केवलउपयोगिता तक सीमित न होकर अधिक खास, प्रीमियमऔर अलग महसूस हों। 'ब्लेंडर्स प्राइड रिजर्व्डएक्सपीरियंसेज़' के जरिए हम एक ऐसा सांस्कृतिक मंचतैयार कर रहे हैं, जो इस बदलाव को दर्शाता है और फ्लेवरकी गहराई व जटिलता को बहु-इंद्रिय अनुभवों के माध्यम सेप्रस्तुत करता है।

दिल्ली में एब्सोल्यूट वोदका-शिवास रीगल की बिक्री पर रोक बरकरार

पेरनोड रिकार्ड पर 3,000 करोड़ का टैक्स बकाया,लाइसेंस रद्द

नई दिल्ली

दिल्ली में एब्सोल्यूट वोदका और शिवास रीगल जैसी शराब की बिक्री पर रोक बरकरार है। दिल्ली हाई कोर्ट ने फ्रांस की दिग्गज शराब कंपनी पेरनोड रिकार्ड की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें कंपनी ने दिल्ली में अपने प्रोडक्ट्स बेचने की इजाजत मांगी थी। कंपनी साल 2021 की दिल्ली लिकर पॉलिसी (शराब नीति) जांच में आरोपी होने के कारण साल 2023 से ही दिल्ली के मार्केट से बाहर है।

दिल्ली के अधिकारियों ने पेरनोड रिकार्ड के लिकर लाइसेंस आवेदन को खारिज कर दिया है। इसकी वजह प्रवर्तन निदेशालय के लगाए गए वे गंभीर आरोप हैं, जिसमें कहा गया है कि कंपनी ने साल 2021 में अवैध रूप से अपना मार्केट शेयर बढ़ाने के लिए रिटेलर्स (शराब विक्रेताओं) के साथ मिलीभगत की थी। अब पूरा विवाद इस बात पर टिका है कि जांच के दायरे में आई इस कंपनी को दिल्ली में दोबारा कारोबार करने की अनुमति दी जा सकती है या नहीं। इस अदालती फैसले पर पेरनोड रिकार्ड की तरफ से फिलहाल कोई रिएक्शन सामने नहीं आया है।

शराब नीति विवाद के अलावा पेरनोड रिकार्ड भारतीय टैक्स अधिकारियों के साथ भी बड़े कानूनी विवाद में फंसी है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय जांचकर्ताओं ने निष्कर्ष निकाला है कि कंपनी ने अपने स्कॉच व्हिस्की इम्पोर्ट (आयात) की सही उम्र और कंपोजिशन (मिश्रण की जानकारी) को जानबूझकर छुपाया। ऐसा इसलिए किया गया ताकि आयातित माल की असली कीमत को कम दिखाया जा सके और कम कस्टम ड्यूटी (टैरिफ) चुकानी पड़े। इस खुलासे के बाद फ्रांस की इस कंपनी को 314 मिलियन डॉलर यानी करीब ?2,996 करोड़ का पिछला बकाया टैक्स चुकाने के लिए कहा गया है।

कोडनेम का इस्तेमाल कर कस्टम अधिकारियों को उलझाया

अदालती दस्तावेजों और जांच रिपोर्टों से सामने आया है कि पेनोंड ने पिछले साल सितंबर में पूरी हुई जांच के दौरान जानबूझकर अपनी जानकारियों को उलझाया था। कंपनी ने इंटरनल माल्ट के लिए नए कोडनेम पेश किए, जिससे कस्टम अधिकारियों के लिए इस इम्पोर्ट की तुलना कॉम्पिटिटर्स कंपनियों के सामान से करना बेहद मुश्किल हो गया। जांचकर्ताओं की रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी ने इम्पोर्टेड माल्ट की सही डीटेल्स (सटीक कंपोजिशन और उम्र) नहीं बताई, जिसका मकसद टैक्स चोरी और असली वैल्यू को छुपाना था। हालांकि, पेरनोड इंडिया ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि उसने सभी नियमों का पालन किया है और वह कानूनी माध्यमों से इसका जवाब दे रही है।

रिकार्ड ऊचांई से फिसले सोने-चांदी के दाम

1,56,500 से फिसला 10 ग्राम गोल्ड, चांदी 2,84,900 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली ।

कमोडिटी मार्केट में शुक्रवार को फिर गिरावट देखने को मिली। एमसीएक्स पर सोना-चांदी गिरावट के साथ खुले। खबर लिखे जाने के समय 10 ग्राम सोने का भाव 464 रुपए टूटकर 1,56,461 रुपए पर आ गया। वहीं चांदी में 1044 रुपए की गिरावट आई, एक किलोग्राम चांदी 2,68,493 रुपए पर कारोबार करती दिखी। दिल्ली में 24 कैरेट सोने की कीमत 156200 रुपए प्रति 10 ग्राम है। 22 कैरेट का भाव 143190 रुपए प्रति 10 ग्राम है। मुंबई और कोलकाता में 22 कैरेट सोने की कीमत 145090 रुपए प्रति 10 ग्राम, जबकि 24 कैरेट सोने की कीमत 156050 रुपए प्रति 10 ग्राम है। चेन्नई में 24 कैरेट सोने की कीमत 158170 रुपए प्रति 10 ग्राम है। 22 कैरेट का भाव 144990 रुपए प्रति 10 ग्राम है। वहीं राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बुधवार को सोने की कीमतें 1,100 रुपए गिरकर 1.61 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम रह गईं। विश्लेषकों के मुताबिक अमेरिका-ईरान के बीच जारी तनाव और सुरक्षित निवेश के रूप में डॉलर की बढ़ती मांग के कारण निवेशकों ने सोने को लेकर सतर्क रुख अपनाया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने कहा कि 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,100 रुपए घटकर 1,61,300 रुपए प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) रह गई। हालांकि, शादी सीजन और निवेश की लगातार मांग के चलते सोने के दाम अभी भी उच्च बने हुए हैं, लेकिन पिछले कुछ दिनों की तुलना में शुक्रवार को यह थोड़ा नरम पड़ा है। चांदी की कीमतों में भी गिरावट आई है, जो अब लगभग 2,84,900 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है, कल के मुकाबले करीब 100 रुपए की कमी आई है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि डॉलर के मजबूत होने से कीमती धातुओं पर दबाव बना हुआ है, जबकि मिडिल ईस्ट तनाव और वैश्विक अनिश्चितता के कारण बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रहेगा।

सूर्यवंशी की पारी पर भारी पड़ी गिल-सुदर्शन की साझेदारी

राजस्थान को 7 विकेट से हराया, गिल का शतक, सूर्यवंशी के 96 रन काम न आए

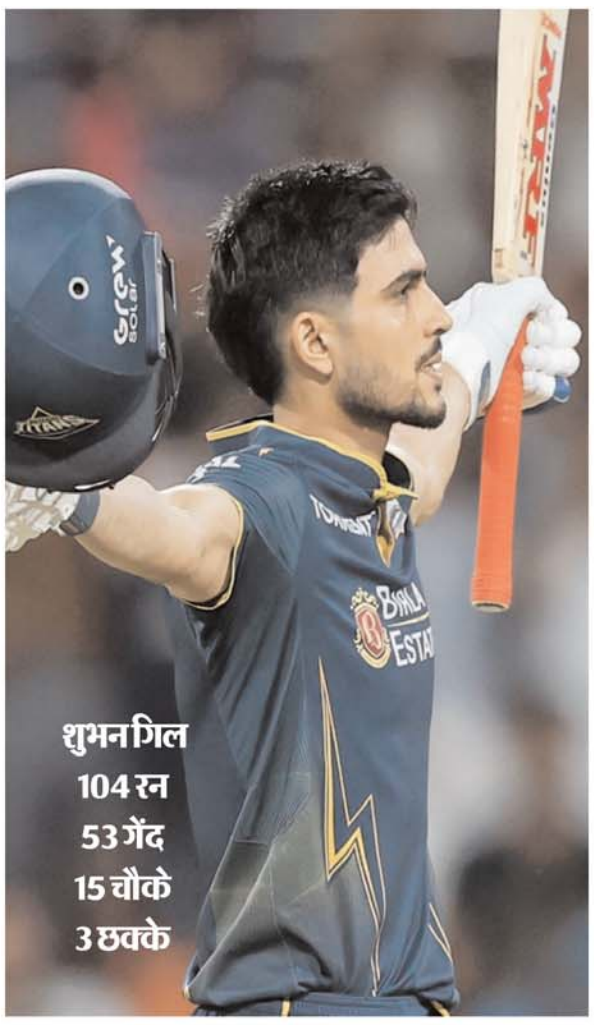

मुल्लांपुर। गुजरात टाइटंस ने क्वालिफायर-2 में दमदार प्रदर्शन किया। गुजरात ने राजस्थान रॉयल्स को हराकर आईपीएल 2026 के फाइनल में जगह बना ली है। अब उसका सामना खिताबी मुकाबले में आरसीबी से 31 मई को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा। कप्तान शुभमन गिल की कप्तानी पारी और साई सुदर्शन के साथ पहले विकेट के लिए की गई साझेदारी के दम पर गुजरात टाइटंस ने क्वालिफायर-2 मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को सात विकेट से हराया। गुजरात ने इसके साथ ही आईपीएल 2026 के फाइनल में जगह पक्की कर ली है। राजस्थान ने वैभव सूर्यवंशी की शानदार पारी के दम पर 20 ओवर में छह विकेट पर 214 रन बनाए। जवाब में गुजरात ने 18.4 ओवर में तीन विकेट पर 219 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। राजस्थान का सफर इस तरह क्वालिफायर-2 में ही थम गया।

खिताब के लिए आरसीबी से मुकाबला

गुजरात टाइटंस ने इस तरह तीसरी बार आईपीएल के फाइनल में प्रवेश कर लिया। इससे पहले टीम ने साल 2022 (विजेता) और 2023 (उपविजेता) में खिताबी मुकाबला खेला था। अब गुजरात का सामना 31 मई यानी रविवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा। इस मैच में आरसीबी जहां खिताब का बचाव करने उतरेगी। वहीं, गुजरात दूसरी बार ट्रॉफी अपने नाम करना चाहेगी।

गिल-सुदर्शन के बीच आईपीएल प्लेऑफ की सबसे बड़ी साझेदारी

लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटंस को कप्तान गिल और साई सुदर्शन ने मजबूत शुरुआत दिलाई। इन दोनों ने पहले विकेट के लिए 167 रनों की साझेदारी की। यह आईपीएल के प्लेऑफ में किसी भी विकेट के लिए की गई सबसे बड़ी साझेदारी है। गिल और सुदर्शन ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के माइकल हसी और मुरली विजय के 15 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ा। हसी और विजय ने 2011 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ फाइनल में 159 रनों की साझेदारी की थी जो आईपीएल के प्लेऑफ में की गई सबसे बड़ी साझेदारी थी, लेकिन गिल-सुदर्शन की जोड़ी ने इसे तोड़ दिया। इतना ही नहीं, गिल-सुदर्शन के बीच 11वीं बार शतकीय साझेदारी हुई जो पुरुष टी20 में किसी भी विकेट के लिए सर्वाधिक बार की गई साझेदारी है। इस जोड़ी ने क्रिस गेल और विराट कोहली, बाबर आजम-मोहम्मद रिजवान और एबी डिविलियर्स-कोहली को पीछे छोड़ा जिन्होंने 10-10 बार शतकीय साझेदारी निभाई है।

नॉर्वे चेस- वर्ल्ड चैंपियन गुकेश लगातार तीसरा मैच हारे

चौथे राउंड में कार्लसन ने हराया, स्टैंडिंग में सबसे निचले स्थान पर आए

ओस्लो । भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश का नॉर्वे चेस टूर्नामेंट में खराब दौर जारी है। उन्हें दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने हराया। गुरुवार को मिली इस हार के बाद गुकेश स्टैंडिंग में सबसे नीचे पहुंच गए हैं। 7 बार के नॉर्वे चेस चैंपियन कार्लसन ने काले मोहरों से खेलते हुए गुकेश को मात दी।

शुरुआती तीन राउंड में संघर्ष करने वाले कार्लसन अब 4.5 अंकों के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि गुकेश 3.5 अंकों के साथ आखिरी स्थान पर खिसक गए हैं। मैच के बाद कार्लसन ने कहा कि उन्हें गुकेश की ओपनिंग रणनीति देखकर आश्चर्य हुआ। उन्होंने कहा कि भारतीय खिलाड़ी ने जरूरत से ज्यादा आक्रामक खेला, जिसका फायदा उन्हें मिला। प्रज्ञानानंदा ने 17 चाल में टाईब्रेक जीता

आर प्रज्ञानानंदा ने विन्सेंट कीमर को आर्मगेडन टाईब्रेक में हराकर दूसरा स्थान बरकरार रखा है। उन्होंने विन्सेंट कीमर के खिलाफ क्लासिकल मैच ड्रॉ होने के बाद आर्मगेडन टाईब्रेक में 17 चालों में जीत दर्ज की। इस जीत से वे 6 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा 8.5 अंकों के साथ शीर्ष पर कायम हैं।

दिव्या को मुजिचुक ने हराया, हम्पी आखिरी स्थान पर

राउंड-4 के बाद रैंकिंग

ओपन कैटेगरी

रैंक	खिलाड़ी	अंक
1	अलीरेजा फिरोजा	8.5
2	आर प्रज्ञानानंदा	6
3	वेस्ली सो	5.5
4	मैग्नस कार्लसन	4.5
5	विन्सेंट कीमर	4
6	डी गुकेश	3.5

महिला वर्ग में भारत की दिव्या देशमुख को पहली बार आर्मगेडन में हार मिली। डिफेंडिंग चैंपियन अन्ना मुजिचुक ने उन्हें हराया। दिव्या 5.5 अंकों के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं। वहीं कोनेरू हम्पी आखिरी स्थान पर बनी हुई हैं।

एशियन गेम्स के लिए ट्रायल दे सकेंगी पहलवान विनेश फोगाट

चंडीगढ। विनेश फोगाट ने 2024 में पेरिस ओलिंपिक में डिसक्वालीफाई होने के बाद कुश्ती से संन्यास लेने का ऐलान किया था। हालांकि, बाद में उन्होंने अपने इस फैसले को वापस ले लिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा की ओलिंपियन रेसलर विनेश फोगाट को एशियन गेम्स के ट्रायल की अनुमति दे दी है। 28 मई को रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया ने फोगाट का ट्रायल रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट में अर्जी लगाई थी, जिसे जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक आराधे की बेंच ने ठुकरा दिया।

ये ट्रायल 30 व 31 मई को दिल्ली में होने हैं। इन ट्रायल में प्रदर्शन के आधार पर

इसी साल सितंबर में जापान में होने वाली एशियन गेम्स में खिलाड़ियों का चयन होगा। दिल्ली हाईकोर्ट ने 22 मई को दिए आदेश में विनेश फोगाट को चयन ट्रायल में भाग लेने की अनुमति दी थी। इसी फैसले को डब्ल्यू ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी।

जस्टिस नरसिम्हा ने कहा, 'आप शानदार रेसलर हैं, आपने देश को गर्व महसूस कराया है, लेकिन देश पहले है। हाईकोर्ट पूरे शेड्यूल को बाधित नहीं कर सकता। फिलहाल एशियन गेम्स 2026 के चयन ट्रायल में भाग लेने की अनुमति दी जाती है। मामले की सुनवाई जारी रहेगी और नियमों से जुड़े पहलुओं पर विस्तार से विचार किया जाएगा।'

इससे पहले, हाईकोर्ट ने निर्देश दिया था- ट्रायल की पूरी प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग कराई जाए। इसे पारदर्शी बनाने के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण और भारतीय ओलंपिक संघ द्वारा नियुक्त स्वतंत्र पर्यवेक्षकों की निगरानी में कराया जाए।

न्यूजीलैंड ने 490 रन पर पहली पारी घोषित की

आयरलैंड 179 पर सिमटा, नाथन स्मिथ को 6 विकेट; फॉलोऑन में स्कोर 65/2

न्यूजीलैंड ने बेलफास्ट में चल रहे इकलौते टेस्ट में आयरलैंड पर शिकंजा कस लिया। उसने गुरुवार को पहली पारी 490/8 के स्कोर पर घोषित की। इतना ही नहीं, आयरिश टीम को पहली पारी में 179 पर ऑलआउट करके फॉलोऑन खेलने पर मजबूर किया।

दूसरे दिन का खेल समाप्त होने पर आयरलैंड ने दूसरी पारी में 65 रन बनाने में दो विकेट गंवा दिए हैं। स्टीफन दोहेनी और थॉमस मेयस क्रीज पर हैं। इससे पहले टॉम ब्लंडेल ने 186 और डेब्यू कर रहे डीन फॉक्सक्रॉफ्ट ने 98 रन बनाए। गेंदबाजी में नाथन स्मिथ ने 6 विकेट झटके।

नाथन स्मिथ ने 29 गेंदों में 6 विकेट लिए

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज नाथन स्मिथ दूसरे दिन के हीरो रहे। उन्होंने नई गेंद से 29 गेंदों में अपना पहला टेस्ट फाइव-विकेट हॉल पूरा किया। स्मिथ ने 40 रन देकर 6 विकेट लिए। उन्होंने

आयरलैंड के टॉप-6 बल्लेबाजों में से 4 को डक पर आउट किया। टेस्ट इतिहास में पहली बार किसी गेंदबाज ने टॉप-6 के 4 बल्लेबाजों को खाता नहीं खोलने दिया।

आयरलैंड ने जीरो पर दो विकेट गंवाए

न्यूजीलैंड के पारी घोषित करने के बाद लंच से पहले आयरलैंड की बल्लेबाजी शुरू हुई। स्मिथ ने पहले ओवर की दूसरी गेंद पर स्टीफन डोहेनी को एलबीडब्ल्यू किया। चार गेंद बाद नंबर-3 बल्लेबाज केड कारमाइकल स्लिप में टॉम लाथम को कैच दे बैठे।

आयरलैंड ने पहले ही ओवर में बिना रन बनाए 2 विकेट गंवा दिए थे। लंच के बाद भी स्मिथ ने एंड्रयू बालबर्नी (13), कर्टिस कैंपर (0) और लॉर्कन टकर (0) को आउट किया। एक समय टीम का स्कोर 38 रन पर 6 विकेट था।

वर्ल्ड नंबर-1 सिनर फ्रेंच ओपन से बाहर: अर्जेंटीना के जुआन मैनुअल ने 5 सेटों में हराया

पेरिस । वर्ल्ड नंबर-1 और टूर्नामेंट के टॉप सीड खिलाड़ी जैनिक सिनर फ्रेंच ओपन 2026 से बाहर हो गए हैं। गुरुवार को खेले गए दूसरे दौर के एक मुकाबले में गैर वरीय अर्जेंटीना के खिलाड़ी जुआन मैनुअल सेरुंडोलो ने सिनर को पांच सेटों में हराया।

वहीं, सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने फ्रेंच ओपन के तीसरे दौर में जगह बना ली है। 39 साल के जोकोविच ने फ्रांस के वैलेंटाइन रोयर को चार सेट में हराया। वहीं विमेंस कैटेगरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन एलिना रायबकिना को बड़ा उलटफेर झेलना पड़ा।

तीसरे सेट में मेडिकल टाइमआउट लेना पड़ा

सिनर को तीसरे सेट के दौरान मेडिकल टाइमआउट लेना पड़ा। सिनर 5-1 की बढ़त के साथ जीत से महज

कुछ इंच की दूरी पर थे। इसी दौरान उन्हें चक्कर आने और डिहाइड्रेशन (पानी की कमी) की शिकायत हुई। वे रैलियों के दौरान अपनी जांघ को पकड़ते हुए दिखे और उनका मूवमेंट काफी धीमा हो गया। सर्विस गेम में 0-40 से पिछड़ने के बाद सिनर ने चेयर अंपायर और फिजियो से सलाह ली और मेडिकल टाइमआउट लेकर कुछ देर के लिए कोर्ट से बाहर चले गए।

आखिरी दो सेटों में पूरी तरह बिखर गए सिनर

मेडिकल ब्रेक से लौटने के बाद इटैलियन खिलाड़ी पूरी तरह असहज नजर आए। मूवमेंट ब्लॉक होने की वजह से वे कोर्ट पर ठीक से दौड़ भी नहीं पा रहे थे। इसका फायदा उठाकर जुआन ने तीसरा सेट 7-5 से अपने नाम कर लिया। इसके बाद सिनर ने खुद को मैच में बनाए रखने के लिए रणनीति बदली और तेजी से विनर्स मारने के रिस्की शॉट्स खेलने लगे, लेकिन वे लगातार गलतियां कर बैठे। चौथे और पांचवें सेट में सिनर का खेल पूरी तरह बिखर गया और जुआन ने दोनों सेटों को 6-1, 6-1 से जीतकर 3 घंटे 36 मिनट में अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। मैच का अंतिम स्कोर जुआन के पक्ष में 3-6, 2-6, 7-5, 6-1, 6-1 रहा।

मंधाना की कप्तानी में भारतीय टीम ने पहले टी20 में इंग्लैंड को हराया

चेल्म्सफोर्ड । भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने यहां इंग्लैंड को पहले टी20 मुकाबले को 38 रनों से हराकर चार मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। नियमिल कप्तान हरमनप्रीत कौर को आराम दिये जाने के कारण इस मैच में स्मृति मंधाना कप्तानी कर रहीं थीं पर वह बल्लेबाजी में विफल रहीं और अपना खाता भी नहीं खोल पायीं। मंधाना पहली ही गेंद पर पेवेलियन लौट गयीं।

मंधाना,इंग्लैंड की तेज गेंदबाज लॉरेन बेल का शिकार बनी। गई। मंधाना किसी टी20 क्रिकेटर अंतरराष्ट्रीय में मैच की पहली गेंद पर आउट होने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर हैं। मंधान के आउट होने के बाद युवा बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स ने 69 रन और यास्तिका भाटिया ने 54 रन बनाकर पारी संभाली। इससे भारतीय टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 188 रन बनाये।

पेरिस के रोला गैरा में फ्रैंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट में रिटर्न शॉट लगाती हुई चीन की व्यू यिबि

पिछला खिताब जीतने वाली टीम के 17 प्लेयर्स को जगह, मेसी कप्तानी करेंगे

फुटबॉल वर्ल्ड कप के लिए अर्जेंटीना की टीम का ऐलान

ब्यूनस आयर्स। फुटबॉल वर्ल्ड कप के लिए अर्जेंटीना की 26 सदस्यीय टीम घोषित कर दी गई। अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन ने गुरुवार को स्क्वॉड का ऐलान किया।

39 साल के होने जा रहे लियोनेल मेसी टीम की कप्तानी करेंगे। यह उनका छठा वर्ल्ड कप होगा। इससे पहले वे 2006, 2010, 2014, 2018 और 2022 वर्ल्ड कप खेल चुके हैं।

कोच लियोनेल स्कालोनी ने खिलाड़ियों की इंजरी पर कहा- 'ज्यादातर खिलाड़ी टूर्नामेंट तक फिट हो जाएंगे।'

स्क्वॉड में 17 खिलाड़ी 2022 कतर वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम के हैं। अर्जेंटीना ने फाइनल में फ्रांस को हराकर तीसरी बार विश्व खिताब जीता था। मेसी की हैमस्ट्रिंग में खिंचाव टीम चयन से पहले कई खिलाड़ियों की फिटनेस चिंता का विषय थी। मेसी बाएं हैमस्ट्रिंग में खिंचाव से जूझ रहे हैं। इसी कारण वे इंटर मियामी का पिछला मैच पूरा नहीं खेल पाए थे। गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज की उंगली में फ्रैक्चर हुआ था। क्रिस्टियन रोमेरो, नहुएल मोलिना और गोंजालो मोंटियल भी चोट से उबर रहे हैं, लेकिन उन्हें स्क्वॉड में शामिल किया गया है।

16 जून को अल्जीरिया से मैच खेलेगी टीम

अर्जेंटीना 16 जून को ग्रुप-जे में अल्जीरिया के खिलाफ अभियान शुरू करेगी। इस ग्रुप में ऑस्ट्रिया और जॉर्डन भी हैं। टीम शनिवार को कंसास सिटी स्थित बेस कैंप के लिए रवाना होगी। टूर्नामेंट से पहले अर्जेंटीना होंडुरास और आइसलैंड के खिलाफ अभ्यास मैच खेलेगा।

अर्जेंटीना टीम

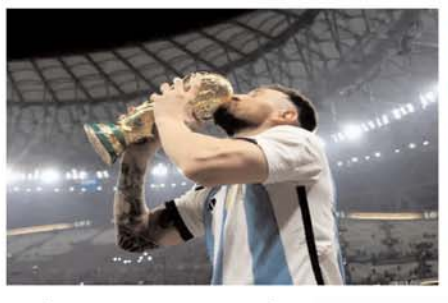

गोलकीपर्स: एमिलियानो मार्टिनेज, जेरोनिमो रूली, जुआन मुस्सो।

डिफेंडर्स: गोंजालो मोंटियल, नहुएल मोलिना, लिसांद्रो मार्टिनेज, निकोलस ओटामेंडी, लियोनार्डो बालेरडी, क्रिस्टियन रोमेरो, निकोलस टैग्लियाफिको, फाकुंडो मेडिना।

मिडफील्डर्स: जियोवानी लो सेल्सो, लिएंड्रो परेडेस, रोड्रिगो डी पॉल, एक्सेकियल पलासियोस, एंजो फर्नांडीज, एलेक्सिस मैक एलिस्टर, वैलेंटिन बार्को।

ग्रुप-J में अर्जेंटीना का शेड्यूल

तारीख	प्रतिद्वंव्वी	समय
17 जून	अल्जीरिया	6:30 AM
22 जून	ऑस्ट्रेलिया	10:30 PM
28 जून	जॉर्डन	7:30 AM

फॉरवर्ड्स: लियोनल मेसी, निकोलस गोंजालेज, गिउलियानो सिमेओने, लाउतारो मार्टिनेज, जोस मैनुएल लोपेज, जूलियन अल्वारेज, थियागो अल्माडा और निको पाज।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।